नपुंसकलिङ्गम्

एकवचनम्

ऐतत् किम्? यह क्या है?

ऐतत् पुष्पम्। यह फूल है।

ऐतत् पुष्पम कीदृशम्।यह फूल कैसा है?

ऐतत् पुष्पम सुन्दरम्। यह फूल सुंदर है।

द्विवचनम्

एते के? यह दो क्या हैं?

एते फले। यह दो फ़ल हैं।

एते फले कीदृशे? यह दो फ़ल कैसे हैं?

एते फले मधुरे। ये दोनों फल मीठे हैं।

बहुवचनम्

एतानि कानि? ये सब क्या हैं?

एतानि चित्राणि। ये सब चित्र हैं।

एतानि चित्राणि कीदृशानि?
ये सब चित्र कैसे हैं?

एतानि चित्राणि सुन्दराणि।
ये सब चित्र सुंदर हैं।

शब्दार्थ 10

शब्द	अर्थ
ऐतत्	यह
एते	ये दो
एतानि	ये सब
कानि	क्या
पुष्पम्	फूल
कीदृशे	कैसे
चित्राणि	बहुत से चित्र

अभ्यास प्रश्न

संस्कृत में वाक्य बनाइये

1. यह फल है।
2. यह दो फूल हैं
3. यह सब पत्ते हैं।
4. यह फल मीठा है।
5. यह सब फूल सुंदर है।

उत्तर अंक 9

मिलान कीजिये

सर्वनाम पद		क्रिया पद
एषा	=	पठति
एष:	=	खेलति
एतौ	=	धावत:
ऐता:	=	गच्छन्ति
ऐतत	=	पतति
एते	=	नमत:

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पुरूष	पठति	पठत:	पठत
मध्यम पुरुष	पठसि	पठथ:	पठथ
उत्तम पुरुष	पठामि	पठाव:	पठाम:

1. धातु रूप तीन पुरुषों में लिखे जाते हैं प्रथम पुरुष, मध्यम पुरुष, और उत्तम पुरुष।
2. धातु रूप भी एक वचन, द्विवचन और बहुवचन तीनों वचनों में होते हैं।

•गतिविधि•

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथम पु	.... ति	....त:	......न्ति
मध्यम पु	.....सि	......थ:	.... थ
उत्तम पु	......आमि	.....आव:	.....आम:

👉दी गयी गतिविधि में ...के स्थान पर भव, पिब,हस,धाव धातुओं को जोड़कर नए धातु रूप बनाइये।
👉उत्तम पुरुष में 'अ' हटाकर धातु शब्द जोड़ें।

उत्तर 11
1. सात विभक्तियों में।
3. त्वत्, युवाभ्याम्, युष्मत्

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- सचिन कुमार, सम्भल... 9761261066

युष्मद् के रूप

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्रथमा	त्वम्	युवाम्	यूयम्
द्वितीया	त्वाम्	युवाम्	युष्मान्
तृतीया	त्वाय	युवाभ्याम्	युस्माभिः
चतुर्थी	तुभ्यं	युवाभ्याम्	युष्मभ्यम्
पंचमी	त्वत्	युवाभ्याम्	युष्मत्
षष्ठी	तव	युवयोः	युष्माकम्
सप्तमी	त्वयि	युवयोः	युष्मासु

उत्तर अंक 10

1. *एतत फलं।*
2. *एते पुष्पे।*
3. *एतानि पत्राणि।*
4. *एतत फलं मधुरं।*
5. *एतानि पुष्पाणि सुन्दराणि।*

अभ्यास प्रश्न

1. *युष्मद शब्द के रूप कितनी विभक्तियों में हैं?*
2. *युष्मद शब्द के रूप कंठस्थ करो।*
3. *युष्मद के पंचमी विभक्ति के सभी रूप लिखो।*

पाठ से

1–नीचे कुछ वाक्य लिखे गए हैं इनसे संबंधित दोहों को उसी क्रम में लिखिए–

क– कोई भी कार्य समय पर ही होता है।
ख–अपने दु:खों को कहीं उजागर नहीं करना चाहिए।
ग–परोपकार करने वाले लोग प्रशंसनीय होते हैं।
घ–दूसरे लोगों में बुराई देखना ठीक नहीं।

उत्तर —

क– धीरे-धीरे रे मना,धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा, ऋतु आए फल होय।
ख– रहिमन निज मन की व्यथा, मन ही राखो गोय।
सुनि अठिलैहें लोग सब, बांटि सके ना कोय।
ग– वे रहीम नर धन्य हैं, पर उपकारी अंग।
बांटनवारे को लगे,ज्यो मेंहदी को रंग।
घ–बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपनो, मुझसे बुरा न कोय।

**2–रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून ।
पानी गए न ऊबरे,मोती,मानुष,चून।**

उपरोक्त दोहे में पानी शब्द के तीन अर्थ हैं–
मोती के अर्थ में–चमक
मनुष्य के अर्थ में–प्रतिष्ठा
चून के अर्थ में–जल
एक ही शब्द के कई अर्थ होने से यहां पर श्लेष अलंकार है।

कुछ करने को

1– बाल अखबार में हर बार एक नीति परक वाक्य लिखो और अपनी कक्षा में लगाइए–
2– शिक्षक की मदद से कक्षा में दो टोलियां बनाओ। एक टोली रहीम तथा दूसरी टोली कबीर के दोहे याद करने की जिम्मेदारी लें। और बाल सभा में इन कवियों की रचनाओं पर आधारित 'कवि दरबार'का आयोजन करें।
3– रेडियो,टेलीविजन तथा इंटरनेट के माध्यम से इन कवियों की रचनाओं को सुनकर गायन का अभ्यास करें।

उत्तरमाला क्रमांक–11

1– कोई हमारे दुख को दूर नहीं करता है पीठ पीछे हमारी हंसी उड़ाता है।
2–अब्दुर्रहीम खानखाना था।
3– वे लोग धन्य हैं जो परोपकारियो के साथ रहते हैं।उन्हें भी परोपकार का फल मिलता है।

गृह कार्य

1–पाठ में आए निम्नलिखित तद्भव शब्दों का तत्सम रूप लिखिए–
भसम,औषधी,सुभाय,सरीर, मानस, बिथा,सबद।
2– निम्नलिखित शब्दों के दो दो अर्थ लिखिए–
पट ,दर, कर, जड़, गोली, सारंग।

इन्हें भी जाने — संस्कृत साहित्य में नीच वचनों की समृद्ध परंपरा रही है हिंदी में कबीर,रहीम के अतिरिक्त गोस्वामी तुलसीदास ने भी नीति परक दोहो की रचना की है।तुलसी दास के नीति परक दोहो को भी पढ़ें और समझें।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शशिवाला अग्निहोत्री स.अ. यू.पी.एस.अमेठी जदीद फर्रुखाबाद

रहीम जी के नीति मूलक दोहों में जीवन मूल्यों का सरस वर्णन किया गया है।

रहीम के दोहे

1–वे रहीम नर धन्य हैं,पर उपकारी अंग।
बाटन वारे को लगे, ज्यों मेहंदी को रंग।।
2– रहिमन पानी राखिए, बिन पानी सब सून।
पानी गए न ऊबरे, मोती मानुष चून।।
3– रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय।
सुनि अठिलैहें लोग सब, बांटि न लैहें कोय।।
4– जो बड़ेन को लघु कहें, नहिं रहीम घटि जाँहि।
गिरिधर मुरलीधर कहे, कछु दु:ख मानत नाहिं।।
5– समय लाभ सम लाभ नहिं, समय चूक सम चूक।
चतुरन चित रहिमन लगी, समय चूक की हूक।।

उत्तरमाला क्रमांक -10

1– समय से पहले कोई काम नहीं होता समय आने पर ही काम होता है।
2– जिस प्रकार शुभ अनाज की गंदगी को उड़ा देता है।
3– 'साखी','सबद', 'रामैनी'।
4– हमें असहाय और दुर्बल व्यक्तियों को नहीं सताना चाहिए।

शब्दार्थ

थोथा = अनुपयोगी – बिथा = दु:ख
गोय = छिपाना – हूक = कसक
बाटन वारे = सिलबट्टे पर पीसने वाला
परोपकार = उपकार

1 – वे रहीम----------------को रंग

संदर्भ– प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्य पुस्तक 'मंजरी' के 'नीति के दोहे' नामक पाठ से लिया गया है। इसके रचयिता रहीम दास जी हैं।
व्याख्या– रहीम जी कहते हैं कि वे लोग धन्य हैं जो परोपकारियों के साथ रहते हैं। उन्हें भी परोपकार का फल मिलता है ।जिस तरह मेहंदी पीसने वाले के हाथ भी लाल हो जाते हैं।

2 – रहिमन पानी------------मानुस चून।

व्याख्या–रहीम जी कहते हैं कि हमें पानी बचा कर रखना चाहिए क्योंकि बिना पानी के सब कुछ सुना होता है। जिस प्रकार मनुष्य,मोती और चून बिना पानी के बेकार हो जाते हैं। जैसे मनुष्य का पानी (प्रतिष्ठा) के बिना मोती का पानी (चमक) के बिना और चून(आटा) बिना पानी के महत्व हीन हो जाते हैं।

3 – रहिमन-----------------कोय

व्याख्या–रहीम जी कहते हैं कि मनुष्य को अपने दुखो को मन मे ही रखना चाहिए,किसी और को नही बताना चाहिए।लोग हमारे दुखो को दूर तो नही करेगे,बल्कि पीठ पीछे हमारी हँसी अवश्य उड़ाएगे।

4 – जो बड़ेन----------------नाहिं।

व्याख्या– रहीम जी कहते हैं किअगर कोई योग्य व्यक्ति की बुराई करता है तो वह अपनी हीनता को ही प्रदर्शित करता है। क्योंकि जो वास्तव में अच्छा है वह किसी के कहने भर से बुरा नहीं हो जाएगा। अत: हमें किसी की बुराई नहीं करनी चाहिए।

5 – समय-----------------हूक।

व्याख्या–रहीम जी कहते हैं कि हमें समय के महत्व को समझना चाहिए जो मनुष्य समय के महत्व को नहीं समझता वह समय निकल जाने पर पछताता है और दुखी होता है तथा सोचता है कि काश हमने समय के महत्व को पहचाना होता।

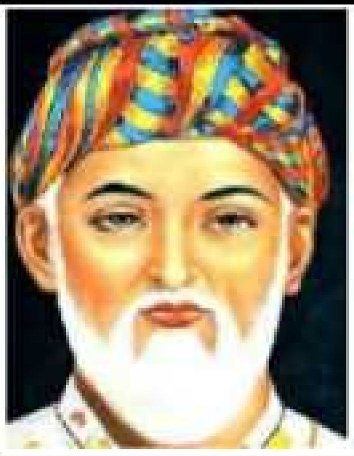

जीवन परिचय–रहीम जी का जन्म सन् 15 56ई०के लगभग हुआ था। इनका पूरा नाम अब्दुर्रहीम खानखाना था।अकबर के दरबार के नवरत्नों में इन्हें स्थान प्राप्त था। ये अरबी, फारसी तथा संस्कृत भाषा के विद्वान थे।इनकी प्रमुख पुस्तकें हैं– 'रहीम सतसई', 'रास पंचाध्यायी'। इनकी मृत्यु सन् 1626 ई०में हुई।

अभ्यास प्रश्न

1– अपने मन की व्यथा को मन में ही क्यों रखना चाहिए?
2– रहीम जी का पूरा नाम क्या था?
3– किस प्रकार के लोगों को धन्य कहा गया है?

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शशिवाला अग्निहोत्री स.अ. यू.पी.एस. अमेठी जदीद फर्रुखाबाद

मिशन शिक्षण संवाद

(कबीर और रहीम के दोहों में आचार- विचार संबंधी जीवन-मूल्यों का वर्णन है।)

कबीर दास के दोहे

दुर्बल को न सताइए, जाकी मोटी हाय।
मुई खाल की श्वास सो, सार भसम ह्वै जाए।।
मधुर वचन है औषधी, कटुक बचन है तीर।
स्रवन द्वार ह्वै संचरे, सालै सकल सरीर।।
बुरा जो देखन मैं चला, बुरा न मिलिया कोय।
जो दिल खोजा आपनो, मुझसे बुरा न कोय।।
साधु ऐसा चाहिए, जैसा सूप सुभाय।
सार-सार को गहि रहै, थोथा देई उड़ाय।।
धीरे-धीरे रे मना, धीरे सब कुछ होय।
माली सींचे सौ घड़ा ऋतु आए फल होय।।

शब्दार्थ–

औषधि= दवा

कटुक= कड़वा

सालै= बेधता है।

सार= उपयोगी

सुभाय= व्यवहार

अभ्यास प्रश्न–

प्र०1- माली के द्वारा लगातार पेड़ों को सींचने पर भी फल क्यों नहीं आते हैं?
प्र०2- हमें बुराई को किस तरह से उड़ा देना चाहिए?
प्र०3- कबीर दास की प्रमुख रचनाएं कौन-कौन सी हैं?
प्र०4- हमें किस प्रकार के व्यक्ति को नहीं सताना चाहिए?

व्याख्या–

दुर्बल को न-------------ह्वै जाय।।

संदर्भ–प्रस्तुत पद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक 'मंजरी'के"नीति के दोहे" नामक पाठ से लिया गया है। यह दोहा महान संत कबीर दास जी द्वारा रचित है।

व्याख्या– कबीरदास जी कहते हैं कि असहाय,निर्बल व्यक्तियों को दुख नहीं देना चाहिए;क्योंकि उसकी हाय बहुत बुरी होती है। यदि मरी खाल की धौंकनी से लोहा गल सकता है, तो जीवित व्यक्ति की आह से क्या नहीं हो सकता।

मधुर वचन-----------सकल सरीर।।

व्याख्या– कबीरदास जी कहते हैं नीति वचन दवाई के समान प्राण रक्षक होते हैं;जब कि तीखे वचन तीर के समान होते हैं और कानों से होते हुए सारे शरीर को छेद डालते हैं। आशय यह है कि मीठी वाणी बोलनी चाहिए।

बुरा जो------------------न कोय।।

व्याख्या– कबीर जी कहते हैं कि मैं दूसरे लोगों में बुराई देखने चला; परंतु मुझे कोई बुरा आदमी नहीं मिल सका। जब मैंने अपने दिल में झांक कर देखा; तब मुझे पता चला कि मैं सबसे बुरा हूं; क्योंकि मुझ में अनेक अवगुण हैं। आशय यह है कि दूसरों की बुराई देखना ठीक नहीं। अपने दोषों को देखकर उन्हे दूर करना चाहिए।

साधु ऐसा--------------उडाय।।

व्याख्या– कबीर जी कहते हैं कि संसार में अच्छाई और बुराई दोनों विद्यमान हैं लेकिन मनुष्य को चाहिए कि वह सिर्फ अच्छाई को ही ग्रहण करें और बुराई पर ध्यान ना दें। जैसे सूप द्वारा जब अनाज को साफ किया जाता है तो सारी गंदगी बाहर निकल जाती है। और सिर्फ अच्छा अनाज बच जाता है।अतः सूप से सीख लेनी चाहिए।

धीर–धीरे----------------फल होय।

व्याख्या–कबीरदास जी कहते हैं कि किसी भी कार्य के नतीजे के लिए हमें धैर्य रखना चाहिए। क्योंकि संसार में हर काम समय पर ही होता है;जैसे माली पेड़ को साल भर सींचता है लेकिन फल ऋतु आने पर ही लगते हैं हमें अर्थात हमें किसी भी काम के प्रतिफल के लिए इंतजार करना चाहिए, धैर्य रखना चाहिए।

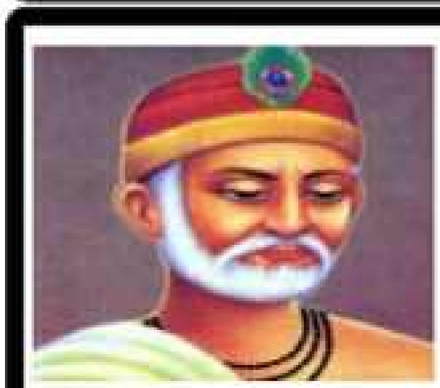

जीवन परिचय–कबीर दास जी का जन्म काशी में सन् 1398 ई० के लगभग हुआ था। भक्तिकाल के निर्गुण धारा के संत कवियों में कबीर दास का विशिष्ट स्थान है।रामानंद कबीर के गुरु माने जाते हैं। उन्होंने भक्त विषयक रचनाओं के साथ ही समाज सुधार की कविताएं भी लिखी। इनकी रचनाओं का संग्रह 'बीजक'है।इसके तीन भाग हैं 'साखी','सबद', 'रमैनी'कबीर जी की मृत्यु सन् 1518 ई०के लगभग मगहर में हुई थी।

घर की स्वच्छता की आवश्यकता

आप स्वयं सोचिये, दो दोस्त राज एवं रमा के घर तथा उनके आस-पास का वातावरण बताया गया है-

राज का घर

घर में सफाई कभी-कभी होती है।
सफाई का कूड़ा घर के सामने डाला जाता है।
कमरों में मकड़ी के जाले लगे हैं तथा बिस्तर में धूल जमी है तथा आसपास में सफाई की कमी से मक्खियाँ तथा मच्छर निवास कर रहे हैं।
घर की सभी वस्तुएँ अव्यवस्थित हैं।
घर में शौचालय का न होना।

रमा का घर

घर में प्रतिदिन सफाई की जाती है।
कचरा कूड़ादान में फेंका जाता है।
घर तथा आस-पास को प्रतिदिन साफ किया जाता है।
घर की प्रत्येक सामग्री साफ तथा व्यवस्थित है।
घर में स्वच्छ शौचालय एवं उसका प्रयोग किया जाता है।

आपके अनुसार किसका घर स्वच्छ है ? और क्यों ?

आपने देखा कि राज के घर तथा आसपास गंदगी है जो रोग फैलाने वाले कीटाणुओं को उत्पन्न करने में सहायक है। ये कीटाणु घर में खाने-पीने की सामग्री तथा अन्य वस्तुओं पर भी बैठते हैं, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है। रमा के घर तथा आसपास की सफाई होने के कारण घर में धूल तथा गंदगी नहीं है। घर स्वच्छ होने पर मक्खी तथा रोग फैलाने वाले कीटाणु घर में प्रवेश नहीं करते हैं क्योंकि मक्खियाँ तथा कीटाणु गंदे स्थानों में वृद्धि करते हैं।

अभ्यास कार्य

1.रमा और राज के घर मे क्या अंतर हैं?
2.घर की सफ़ाई से क्या लाभ हैं?
3.घर की सफ़ाई कितने दिन में करना चाहिए?
4.रमा और राज में से किसका घर स्वच्छता और स्वास्थ्य के लिए उपयुक्त हैं?
5.कचरे को कहा फेकना चाहिए?

उत्तर माला क्रमांक स.7

1. सफाई का अर्थ गंदगी को दूर करना तथा प्रत्येक वस्तु को साफ, कीटाणु रहित तथा व्यवस्थित रखना है।
2. घर की स्वच्छता से तात्पर्य है कि घर में किसी प्रकार की गंदगी एवं कीटाणु न हो। घर की प्रत्येक वस्तु साफ तथा व्यवस्थित हो।
3. घर तथा आसपास गंदगी है जो रोग फैलाने वाले कीटाणुओं को उत्पन्न करने में सहायक है। ये कीटाणु घर में खाने-पीने की सामग्री तथा अन्य वस्तुओं पर भी बैठते हैं, जिससे स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।
4. व्यक्तिगत स्वच्छता ही महत्वपूर्ण नही है क्योंकि अगर हमारे आस पास गंदगी होगी तो हम बीमारियों से घिरे रहेंगे
5. आसपास की सफाई होने के कारण घर में धूल तथा गंदगी नहीं है। घर स्वच्छ होने पर मक्खी तथा रोग फैलाने वाले कीटाणु घर में प्रवेश नहीं करते हैं क्योंकि मक्खियाँ तथा कीटाणु गंदे स्थानों में वृद्धि करते हैं।

विषय- गृहशिल्प पाठ- स्वच्छता कक्षा - 6

प्रकरण- साफ सफाई क्रमांक - 7

मिशन शिक्षण संवाद

स्वच्छता का हमारे दैनिक जीवन में विशेष महत्व है। इसके अभाव में घर तथा आसपास का वातावरण दूषित होता है। स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता, रहने के स्थान तथा आसपास को स्वच्छ रखना बहुत ही आवश्यक है। कुछ लोग अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे- प्रतिदिन नहाना, कपड़े धोना, साफ-सुथरे कपड़े पहनना आदि पर पर्याप्त ध्यान देते हैं परंतु अपने घर तथा आसपास की सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं। सफाई पर ध्यान न देने से विभिन्न प्रकार के कीटाणुओं की वृद्धि होती है। ये कीटाणु विभिन्न प्रकार के रोग पैदा कर देते हैं। अतः हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए घर तथा आसपास की सफाई व स्वच्छता पर ध्यान देना बहुत ही आवश्यक है।

घर की स्वच्छता से तात्पर्य है कि घर में किसी प्रकार की गंदगी एवं कीटाणु न हो। घर की प्रत्येक वस्तु साफ तथा व्यवस्थित हो। इस प्रकार स्वच्छता घर की सुंदर करना तथा प्रत्येक वस्तु को साफ, कीटाणु रहित तथा व्यवस्थित रखना है।

आइए जानें-

'विश्व शौचालय दिवस' 19 नवम्बर को मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य वातावरण को स्वच्छ एवं स्वस्थ बनाना है।

पॉलिथीन का प्रयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। ये जमीन के अंदर गल नहीं पाती एवं मिट्टी की उपजाऊ क्षमता को कम कर देती है।

उत्तर माला क्रमांक स.6

1.पहली फ़ोटो में बच्चे साफ-सुथरे और स्वस्थ दिख रहे हैं।
2.पहली फ़ोटो के बच्चे देखने मे अच्छे लग रहे हैं।
3.स्वच्छता का हमारे दैनिक जीवन में विशेष महत्व है। इसके अभाव में घर तथा आसपास का वातावरण दूषित होता है। स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता, रहने के स्थान तथा आसपास को स्वच्छ रखना बहुत ही आवश्यक है।
4.हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए घर तथा आसपास की सफाई व स्वच्छता पर ध्यान देना बहुत ही आवश्यक है।
5.व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे- प्रतिदिन नहाना, कपड़े धोना, साफ-सुथरे कपड़े पहनना आदि हैं।

अभ्यास कार्य

1. सफाई का अर्थ क्या है?
2. घर की स्वच्छता से क्या तात्पर्य है?
3. घर के आसपास की स्वच्छता क्यों महत्वपूर्ण है?
4. क्या केवल व्यक्तिगत स्वच्छता ही महत्वपूर्ण है?
5. आसपास का वातावरण कैसे प्रदूषित होता है?

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रंजना मिश्रा

मिशन शिक्षण संवाद

बच्चों दोनों फोटो को ध्यान से देखो फोटो में क्या अंतर दिखाई दे रहा है सही पहचाना बाएं तरफ की फोटो मैं बच्चे साफ-सुथरे होकर विद्यालय जा रहे हैं और दूसरी फोटो में यह लड़की मिट्टी लगाए हुई गंदी सी लग रही है हमारी आंखों को भी साफ सुंदर और अच्छी चीजें देखकर अच्छा लगता है हम सब को सफाई से रहना चाहिए और गंदगी से दूर रहना चाहिए।गन्दगी से रहने पर अनेकों बीमारियां होती हैं। हम सब को रोज़ शौच के बाद,भोजन के पहले और भोजन के बाद साबुन से हाथ धोना चाहिए। रोज़ सुबह मंजन करना चाहिए।नियमित स्नान करना चाहिए।

स्वच्छता का हमारे दैनिक जीवन में विशेष महत्व है। इसके अभाव में घर तथा आसपास का वातावरण दूषित होता है। स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता, रहने के स्थान तथा आसपास को स्वच्छ रखना बहुत ही आवश्यक है। कुछ लोग अपनी व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे- प्रतिदिन नहाना, कपड़े धोना, साफ-सुथरे कपड़े पहनना आदि पर पर्याप्त ध्यान देते हैं परंतु अपने घर तथा आसपास की सफाई पर ध्यान नहीं देते हैं। सफाई पर ध्यान न देने से विभिन्न प्रकार के कीटाणुओं की वृद्धि होती है। ये कीटाणु विभिन्न प्रकार के रोग पैदा कर देते हैं। अतः हमें अच्छे स्वास्थ्य के लिए घर तथा आसपास की सफाई व स्वच्छता पर ध्यान देना बहुत ही आवश्यक है।

उत्तर माला क्रमांक स.5

1. 'स्वस्थ' शब्द 'सु' और 'अस्थ' को मिलाकर बना है। 'सु' का अर्थ है 'सुन्दर' अथवा अच्छी एवं अस्थ का अर्थ है स्थिति। इस प्रकार जब किसी का शरीर निरोग व आकर्षक स्थिति में हो तो उसे स्वस्थ कहते हैं जबकि पूर्णतः विकार रहित अच्छी शारीरिक स्थिति ही स्वास्थ्य है।
2. सुबह जागने से लेकर रात को सोने तक के अपने कामों की सूची बनाएँ और प्रत्येक कार्य का एक समय सुनिश्चित करें। जैसे- प्रातः उठना, शौचादि से निवृत्त होना, व्यायाम, स्नान, नाश्ता, स्कूल जाना, खेलना.... वगैरह। यही दैनिक दिनचर्या हैं।
3. अनियमित रहन-सहन, खान-पान, सोना-जागना को हम अनियमित दिनचर्या कहते हैं।
4. नियमित दिनचर्या से हम शारिरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से स्वस्थ रहते हैं।
5. अनियमित दिनचर्या से हमेशा सुस्ती एवं आलस्य का अनुभव होता है। अनेकों बीमारियां होती हैं।
6. स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता हैं।

अभ्यास कार्य

1.दोनों फ़ोटो में क्या अंतर हैं?
2.तुमको किस फ़ोटो के बच्चे देखने मे अच्छे लग रहे हैं?
3.स्वच्छता क्या हैं?
4.स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता क्यों आवश्यक हैं?
5.व्यक्तिगत स्वच्छता क्या होती हैं?

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- रंजना मिश्रा

मिशन शिक्षण संवाद

आकाशीय पिण्ड

पृथ्वी से आकाश में दिखाई देने वाली सभी आकृतियाँ आकाशीय पिंड या खगोलीय पिंड कहलाते हैं जैसे सूर्य चंद्रमा तारे आदि।

हमें दिन में तारे क्यों नहीं दिखाई देते हैं?

दिन में सूर्य की तेज रोशनी के पीछे तारे छुप जाते हैं इसलिए वह हमें दिखाई नही देते हैं।

तारों के बारे में जानिए

तारे गर्म गैसों से बने गोले हैं। इनमें स्वयं द्वारा उत्पन्न प्रकाश एवं ऊष्मा होती है। हमारे आकाश में अरबों तारे हैं। बहुत से तारे हमसे इतने ज्यादा दूर हैं कि उन्हें हम बिना शक्तिशाली दूरदर्शी (टेलिस्कोप) के नहीं देख सकते। हमारा सूर्य भी एक तारा है जो पृथ्वी के सबसे निकट का तारा है।

आकाश में अनेक तारे ऐसे हैं जो हमारे सूर्य से भी बड़े हैं परंतु यह तारे हमें चंद्रमा से भी छोटे एवं कम प्रकाशमान दिखाई देते हैं।क्यों?

आसमान में बहुत ऊंचाई पर उड़ने वाला बहुत बड़ा हवाई जहाज हमें बहुत छोटा सा दिखाई देता है जबकि हवाई जहाज से बहुत छोटे आकार का पक्षी आसमान में उड़ता हुआ हमें उस हवाई जहाज से बड़ा दिखाई देता है क्योंकि आसमान में वह पक्षी हमसे काफी नजदीक है और पक्षी के मुकाबले हवाई जहाज बहुत ज्यादा दूर है। इसी तरह अधिक दूर होने के कारण सूर्य से बड़े तारे भी हमें बहुत छोटे दिखाई देते हैं।

नक्षत्र मंडल

रात्रि के आकाश में हमें तारों के समूह द्वारा बनाई गई विभिन्न आकृतियाँ दिखाई देती है। इन्हें नक्षत्र मंडल कहते हैं।

अभ्यास प्रश्न

प्र01- आकाशीय पिंडों के नाम बताइए?

प्र02- तारे कैसे बने हैं?

प्र03- सूर्य क्या है?

ध्यान दें

पेज नंबर 10 के सभी अभ्यास प्रश्नों का उत्तर नवपाषाण काल है।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पुनीत कुमार जैन(स0अ0),बागपत

विषय-सामाजिक विषय पाठ- पाषाण काल कक्षा - 6

प्रकरण- नवपाषाण काल क्रमांक - 10

मिशन शिक्षण संवाद

नवपाषाण काल

मानव ने जब से भलीभाँति खेती करना प्रारंभ किया तभी से नवपाषाण काल प्रारंभ होता है। यह मानव सभ्यता के इतिहास का सबसे बड़ा परिवर्तन था। खेती के कारण मानव अब भोजन संग्राहक से भोजन उत्पादक बन गया। इस समय उसके पत्थर के उपकरण उपयोगी एवं सुडौल थे क्योंकि उन्हें घिसकर चमकदार बनाया जाता था। हत्थेदार कुल्हाड़ी एवं हँसिया इस समय के महत्वपूर्ण औजार थे। खेती के साथ पशुपालन भी प्रारंभ हुआ। पशुओं का प्रयोग माँस व दूध प्राप्त करने में किया जाता था।
अब यह मिट्टी के बर्तन बनाना भी जान गए थे। बर्तनों पर नक्काशी एवं चित्रकारी में रंगों का प्रयोग होने लगा। इसी समय मानव ने पहिए का आविष्कार किया। इसका प्रयोग चाक के रूप में मिट्टी से बर्तन बनाने तथा सामान ढोने के लिए गाड़ी के पहिए के रूप में किया गया। खेती के कारण लोग एक ही जगह रहने लगे फलस्वरूप नए-नए कौशल विकसित हुए जैसे मूंज की टोकरी व चटाई बनाना, कटाई करना, जानवरों के बालों से कपड़ा बनाना आदि। अब उनमें सामुदायिक जीवन का विकास हुआ।
मानव अब अपने खेतों के आसपास मिट्टी के घरों एवं घास फूस के छप्पर वाले घरों में रहने लगा। धीरे-धीरे यह बस्तियाँ गाँव बन गए। नवपाषाण युग का अंत होते-होते धातुओं का इस्तेमाल शुरू हो गया। सबसे पहले तांबे का प्रयोग हुआ जिसके कारण नवपाषाण काल के बाद के युग को ताम्र पाषाण युग कहा जाता है।

अभ्यास प्रश्न

प्र01:- मध्यपाषाणकाल के बाद कौन सा काल आया?
प्र02:- मानव उत्पादक कब बना?
प्र03:- खेती के साथ-साथ पशुपालन मानव ने किस काल में प्रारंभ किया?
प्र04:- हत्थेदार कुल्हाड़ी में हँसिया किस काल के औजार थे?
प्र05:- पहिए का आविष्कार किस काल में हुआ?
प्र06- मिट्टी के बर्तन बनाना मानव ने किस काल में किया?

पेज नं0-9 के उत्तर

(1) मध्य पाषाण काल
(2) कुत्ता
(3) मध्यपाषाणकाल में
(4) मध्य पाषाण काल के अंत में
(5) पत्थर के औजार पुरापाषाण काल की अपेक्षा आकार में छोटे हो गए।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- पुनीत कुमार जैन(स0अ0),बागपत 9458278429

विषय- गणित पाठ- पूर्ण संख्याएँ कक्षा - 6

प्रकरण- लैब ऐक्टिविटी क्रमांक - 12

मिशन शिक्षण संवाद

उद्देश्य – a × (b × c) = (a × b) + (a × c) अर्थात गुणन संक्रिया का योग पर वितरण प्रगुण को जानना।

आवश्यक सामग्री :– वर्गाकार कागज, स्केज पेन, कागज, ज्योमेट्री बॉक्स, कैची इत्यादि।

विधि :– 1. 10 × 8 वर्गाकार खानों को वर्गाकार कागज से काटकर अलग करके फिर इसे लाल स्केज पेन से रंगेंगे। Fig.(i)

2. 10 × 6 वर्गाकार खानों को वर्गाकार कागज से काटकर अलग करके फिर इसे हरे स्केज पेन से रंगेंगे। Fig. (ii). (a)

3. 10 × 2 वर्गाकार खानों को वर्गाकार कागज से काटकर अलग करके फिर इसे नीली स्केज पेन से रंगेंगे। Fig. (ii). (b)

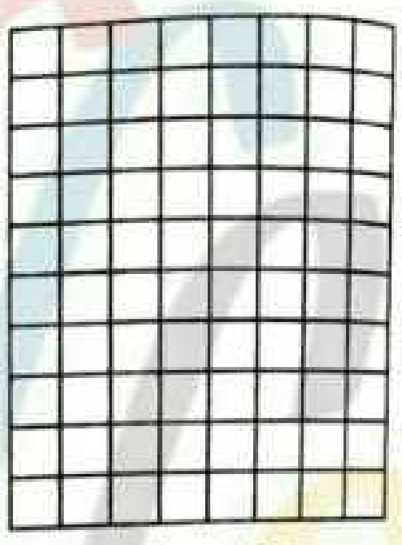

Fig. (i)

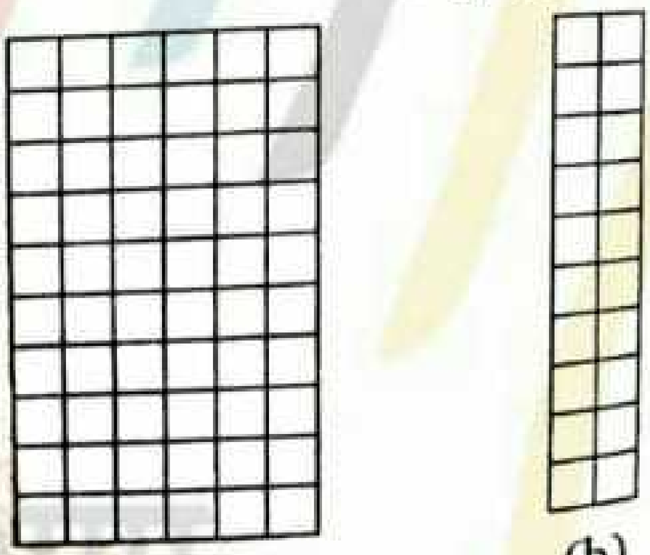

(a) (b)

Fig. (ii)

अवलोकन तथा गणना :–

1. Fig.(i) में वर्ग की संख्या = 80
2. Fig.(ii).(a) में वर्ग की संख्या = 60
3. Fig.(ii).(b) में वर्ग की संख्या = 20

अतः हम देखते हैं कि,

Fig.(i) में वर्ग की संख्या = Fig.(ii).(a) में वर्ग की संख्या + Fig.(ii).(b) में वर्ग की संख्या

80 = 60 + 20

10 × 8 = 10 × 6 + 10 × 2

10 × (6 + 2) = 10 × 6 + 10 × 2

परिणाम :– अतः a × (b × c) = (a × b) + (a × c) अर्थात गुणन संक्रिया का योग पर वितरण प्रगुण सिद्ध है।

उत्तर क्रमांक 11

1.विधार्थी स्वयं जाँचें 2. विधार्थी स्वयं जाँचें 3. विधार्थी स्वयं जाँचें
4. 1 5. 83, 89

(V) गुणन का साहचर्य प्रगुण :- किन्हीं तीन पूर्ण संख्याओं के लिए,
पहली संख्या × (दूसरी संख्या × तीसरी संख्या) = (पहली संख्या × दूसरी संख्या) × तीसरी संख्या
Example - 5, 8, और 9
5 × (8 × 9) = (5 × 8) × 9
5 × 72 = 40 × 9
360 = 360
LHS =RHS
अतः किन्हीं तीन पूर्ण संख्याओं के सतत् गुणन संक्रिया में संख्याओं के क्रम को परिवर्तित करने पर गुणनफल अपरिवर्तित रहता है। अतः गुणन की संक्रिया पूर्ण संख्याओं में साहचर्य है।

(VI) गुणन संक्रिया का योग का वितरण :- किन्हीं तीन पूर्ण संख्याओं के लिए,
पहली संख्या × (दूसरी संख्या + तीसरी संख्या) = (पहली संख्या × दूसरी संख्या) + (पहली संख्या × तीसरी संख्या)
Example - 5 × (7 + 9) = 5 × 7 + 5 × 9
5 × (16) = 35 + 45
80 = 80
LHS = RHS
इसे गुणन संक्रिया का योग पर वितरण नियम कहते हैं।

(VII) गुणन का घटाने पर वितरण :- किन्ही तीन पूर्ण संख्याओं के लिए,
पहली संख्या × (दूसरी संख्या - तीसरी संख्या) = पहली संख्या × दूसरी संख्या - पहली संख्या × तीसरी संख्या
Example - 4 × (8 - 5) = 4 × 8 - 4 × 5
4 × 3 = 32 - 20
12 = 12
LHS = RHS
अतः गुणन का घटाने पर वितरण नियम लागू है।

पूर्ण संख्याओं में भाग की संक्रिया :- (I) भाग की संक्रिया पूर्ण संख्याओं के लिए संवरक नहीं हैं। Example - 5/0 = ? परिभाषित नहीं।
(II) किसी पूर्ण संख्या में शून्य से भाग परिभाषित नहीं है। Example - 8/0 = ?
(III) किसी पूर्ण संख्या में '1' से भाग देने पर भागफल सदैव वही संख्या प्राप्त होती है। Example - 9 ÷ 1 = 9
(IV) किसी शून्येत्तर पूर्ण संख्या में उसी पूर्ण संख्या से भाग देने पर भागफल सदैव 1 आता है। Example - 9 ÷ 9 = 1

अभ्यास कार्य

(1). पूर्ण संख्याएँ 6, 9 और 11 लेकर गुणा के साहचर्य नियम की पुष्टि कीजिए।
(2). 9 × (8 + 4) = (9 × 8) + (9 × 4) की सत्यता का परीक्षण कीजिए।
(3). 6 × (10 - 7) = (6 × 10) - (6 × 7) की सत्यता का परीक्षण कीजिए।
(4). वह संख्या बताइए, जिसमें उसी से संख्या से भाग देने पर भागफल वही संख्या प्राप्त हो।
(5). 80 और 90 के बीच के सभी अभाज्य संख्या लिखिए।

उत्तर क्रमांक - 10
(1). (I) 0 (II) 9 (III) 56 (IV) 9
(2) विधार्थी स्वयं करके जाँचे।
(3). (I) 1 (II) 0

विषय- गणित   पाठ- पूर्ण संख्याएँ   कक्षा - 6

प्रकरण- पूर्ण संख्याओं में गुणा के प्रगुण   क्रमांक - 10

मिशन शिक्षण संवाद

पूर्ण संख्याओं में गुणा के प्रगुण :-

(I) गुणन का संवरक प्रगुण :- पूर्ण संख्याओं के युग्म जैसे (0, 8), (5, 3) और (6, 5) युग्म की संख्याओं को परस्पर गुणा करने पर,

0 × 8 = 0; 5 × 3 = 15; 6 × 5 = 30

यहाँ सभी गुणनफल एक पूर्ण संख्या है। संख्या रेखा के अनुसार,

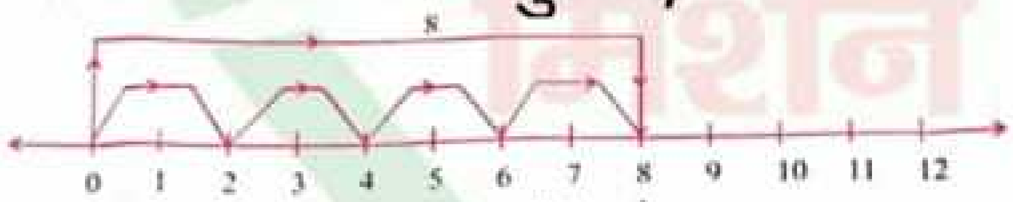

2 × 4 = 8 पूर्ण संख्या है।

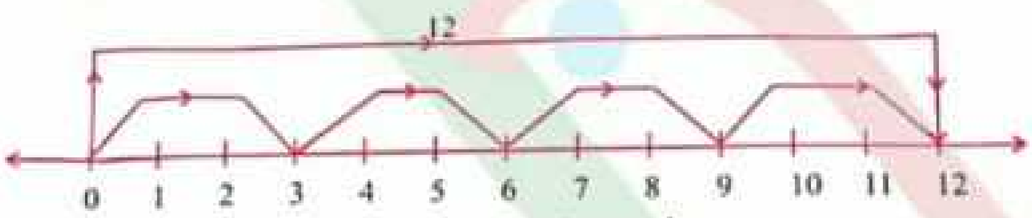

3 × 4 = 12 पूर्ण संख्या है।

अतः पूर्ण संख्याओं का गुणनफल सदैव पूर्ण संख्या होता है। यही गुणन संक्रिया का संवरक प्रगुण है।

(II) गुणा का क्रम-विनिमेय प्रगुण :- पूर्ण संख्याओं के युग्म (3, 5), (5, 7) और (9, 13) के संख्याओं के क्रम बदलकर गुणा करने पर,

3 × 5 = 15;   5 × 3 = 15

5 × 7 = 35;   7 × 5 = 35

9 × 13 = 117;   13 × 9 = 117

यहाँ देखते है कि क्रम को बदल देने पर भी गुणनफल समान होता है।

अतः पूर्ण संख्या युग्म में उनके क्रम को बदल देने पर भी गुणनफल समान होता है। इसे गुणन संक्रिया का क्रम-विनिमेय प्रगुण कहते हैं।

(III) शून्य का गुणन प्रगुण :-

निम्न को देखेंगें- 0 × 0 = 0;

0 × 2 = 0;   2 × 0 = 0

3 × 0 = 0;   0 × 3 = 0

अतः किसी पूर्ण संख्या और शून्य का गुणनफल सदैव "शून्य" होता है।

(IV) गुणन का तत्समक अवयव :-

निम्न को देखेंगें- 1 × 0 = 0;

1 × 1 = 1;   1 × 2 = 2;   1 × 3 = 3

किसी पूर्ण संख्या और '1' का गुणनफल वही संख्या आती है अतः **'1' को गुणन का तत्समक अवयव कहते हैं।**

अभ्यास कार्य

प्रश्न 1. निम्नलिखित में गुणन-संक्रिया के प्रगुणों के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(I) 6 × 0 = []   (II) 9 × 8 = 8 × []

(III) 56 × 1 = []   (IV) 7 × [] = 9 × 7

प्रश्न 2. संख्या रेखा की सहायता से 5 × 2 = 10 को दिखाइए ।

प्रश्न 3. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(I) .... को गुणन का तत्समक अवयव कहते हैं।

(II) किसी पूर्ण संख्या और शून्य का गुणनफल सदैव .... होता है।

उत्तर क्रमांक 9

1.

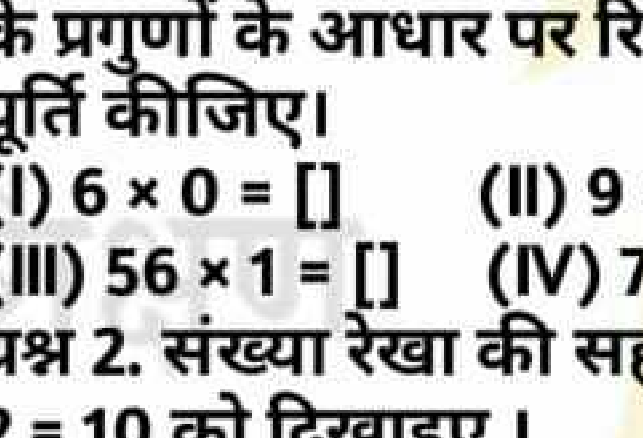

2.(i) 789 (ii) 2889 (iii)234;

3. (i) 4 + 5 = 9   (ii) 5 + 6 = 11

9458278429

Adjective

Definition–

A word that tells you more about a noun

संज्ञा की विशेषता बताने वाला शब्द; विशेषण

An example is given below.
I saw a pretty girl at the railway station.
The adjective pretty modifies the noun girl

Language practice

Underline the adjective in the given sentence–

a.I love white cats .
b.Do you have a pink sketch pen?
c.I read an interesting book.
d.Manu collected tiny stones.
e.A heavy box is on the table .
f.Tinu has six toffees.
g.My mother cooked delicious lunch.

Answers of sheet 11

a. The trick I like the most was when the magician made the coin disappear and it turned out to be back in Krishna's pocket .

2.a–Magician
b–Colourful

9458278429
Made by- Pratibha Sharma,Ups-Faridpur,Sambhal

Subject English Lesson- 03 class -6

Topic - The magic show S. N - 11

मिशन शिक्षण संवाद

Karishma : Where is my coin?

Magician : (laughing) Which coin?

Karishma : The one which I gave you.

Magician : No,you have not given me any coin. Check it in your pocket.

(To her surprise,she finds the coin in her pocket. Everybody clap. One after the other the magician showed many tricks. The people were spellbound.)

Karishma : Granny,how nicely he does it !

Granny : Yes, that is why he is a magician.

अनुवाद

करिश्मा : मेरा सिक्का कहां है?

जादूगर : (हंसते हुए) कौन सा सिक्का?

करिश्मा : वह जो मैंने आपको दिया था।

जादूगर : नहीं ,तुमने मुझे कोई सिक्का नहीं दिया। अपनी जेब में देखो|

(आश्चर्य के साथ उसे सिक्का अपनी जेब में मिल गया) प्रत्येक व्यक्ति ने तालियां बजाई।एक के बाद एक जादूगर ने बहुत तरह के जादू दिखाएं।लोग मंत्रमुग्ध थे।)

करिश्मा : दादी ,कितने अच्छे से वह सब करता है।

दादी : हां, इसीलिए तो वह एक जादूगर है।

Word - meaning

Coin- सिक्का

Pocket- जेब

Surprise- आश्चर्य

Tricks- तरकीब

Spellbound-मंत्र मुग्ध

Homework

1. Which trick did you like the most and why?
2. Fill in the blanks

a. There was a_____ in my friends birthday party.

b. There are many_____ flowers in the garden.

Answers of sheet.10

1. Red, pink, green, yellow, orange coloured strain ribbon and petals of different flower came out of of the empty magic box.
2. The magician called Karishma to the stage.

9458278429

Made by- Pratibha Sharma,ups–Faridpur,Sambhal

मिशन शिक्षण संवाद

(The magician shows an empty magic box to the audience and spells something. Red,pink,green, yellow,orange coloured satin ribbons, and petals of different flowers start coming out of it)

Karishma : How wonderful it is!

Granny : yes it is.

(The magician calls Karishma to the stage and take a ten rupees coin from her. He closed his hand and chants something the coin disappears.)

अनुवाद

(जादूगर ने एक खाली जादू का बक्सा दर्शकों को दिखाया और कुछ जादू किया| लाल,गुलाबी, हरे,पीले, नारंगी रंग के साटन के रिबन और और अलग अलग फूलों की पंखुड़ियां बाहर निकलना प्रारंभ हो गई|)

करिश्मा : यह कितना अद्भुत है

दादी : हां है |

(जादूगर ने करिश्मा को मंच पर बुलाया और एक ₹10 का सिक्का उससे लिया| उसने अपने हाथ बंद कर लिए और कुछ मंत्र कहा |सिक्का गायब हो गया|)

Word-Meaning

Empty – खाली
Audience – दर्शक
Spell – मंत्र बोलना/ जादू
Wonderful – अद्भुत
Petals – फूल की पंखुड़ियां
Chants – मंत्र
Disappears – गायब होना

Answers of worksheet 09:-

1-spellbound
2-village

Homework

1- What came out of the empty magic box?
2- Who did the magician call to the stage?

9458278429
Made by- Pratibha Sharma,UPS Faridpur,Sambhal

शनिवार स्पेशल

■ Day of Practical, प्रैक्टिकल का दिन ■ ◆ प्रयोग- कौन-से अणु है, आगे? ◆

इस प्रयोग के जरिये आप जान सकते है कि क्या वाकई गरम पानी के अणु, ठण्डे पानी के अणुओं की तुलना में तेज चलते है? पानी और रंग की मदद से जानिए यह तथ्य।

आवश्यक सामग्री:

गरम पानी से भरा काँच का गिलास, ठण्डे पानी से भरा काँच का गिलास, खाद्य-रंग, ड्रॉपर।

प्रयोग की विधि:

1. दोनों गिलासों में बराबर मात्रा में गरम और ठण्डा पानी भरिए।
2. दोनों गिलासों में खाद्य-रंग की एक-एक बूंद तुरन्त डालिए और देखिए क्या होता है।

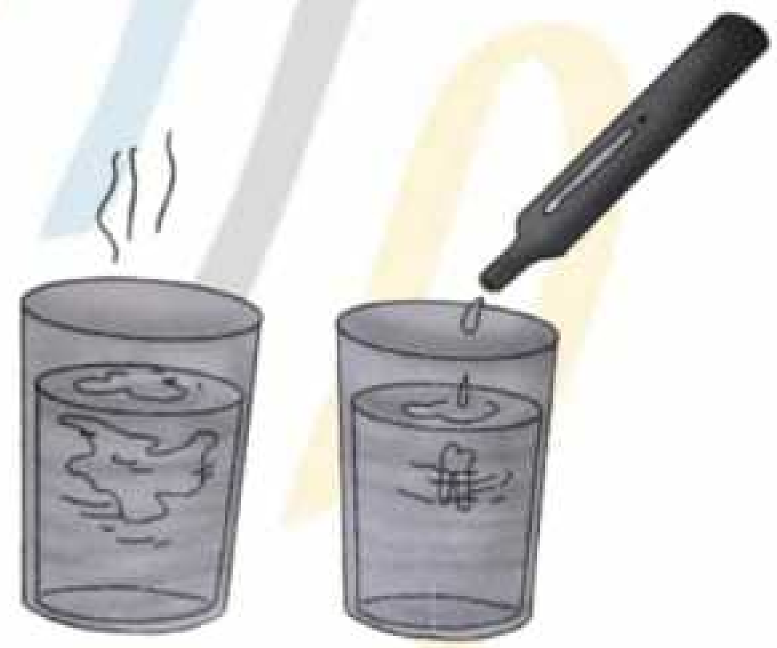

अवलोकन:

अगर आप ध्यान से देखें, तो आप जान पायेंगे कि ठण्डे पानी की तुलना में गरम पानी में रंग ज्यादा जल्दी फैलता है। गरम पानी के अणु ज्यादा तेजी से चलते हैं और इस वजह से ठण्डे पानी की तुलना में रंग को ज्यादा जल्दी फैलाते हैं।

■ प्रोजेक्ट कार्य ■

1. परिवेश के कुछ पदार्थों को एकत्र करें। उन्हें पानी में घोल कर देखें और उनसे पानी में घुलनशील एवं अघुलनशील पदार्थों की पहचान कीजिए ।
2. पानी में न घुलने वाले पदार्थों को अन्य द्रवों जैसे - मिट्टी का तेल, पेट्रोल आदि में भी घोल कर देखें और अपने प्रेक्षण को नोट करिए।
3. अपने कपड़े पर लगे चिकनाई, स्याही तथा चाय के धब्बों को साफ करने में पेट्रोल अथवा मिट्टी का तेल उपयोग करके देखिए। क्या होता है ? अपने अनुभवों को नोट करिये।

◆ उत्तरमाला ◆

(क्रमांक-11)

1) परमाणु
2) अणु
3) एक समान
4) भिन्न-भिन्न तत्वों के
5) परमाणु

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अखिलेश कुमार, स०अ०, कम्पोजिट विद्यालय मखुनी, शिक्षा क्षेत्र-रानीपुर, जनपद-मऊ

विषय- विज्ञान पाठ- 2-पदार्थ एवं पदार्थ के समूह कक्षा - 6

प्रकरण- पदार्थों के निर्माण की मौलिक इकाई क्रमांक - 11

मिशन शिक्षण संवाद

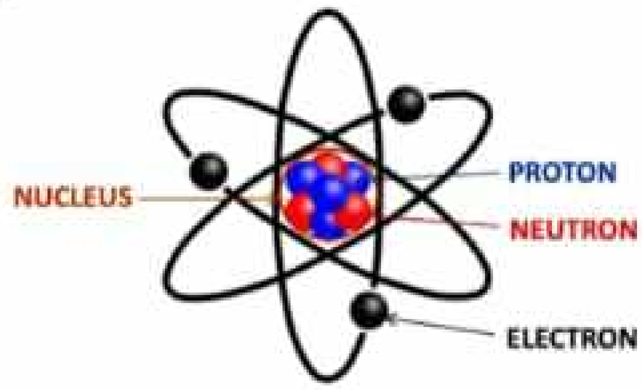

◆ पदार्थों के निर्माण की मौलिक इकाई ◆ (अणु एवं परमाणु का संक्षिप्त परिचय)

परमाणु सरंचना

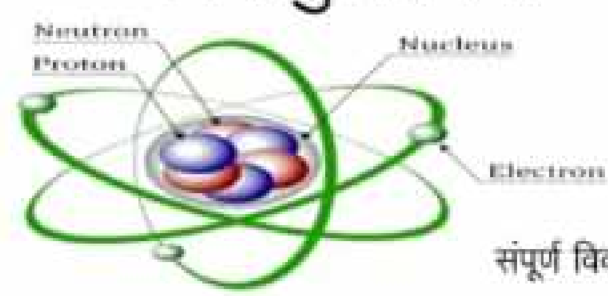

संपूर्ण विवरण

चॉक अथवा कोयले का बड़ा टुकड़ा लीजिए। इसे पीटकर टुकड़ों में विभाजित कर लें। इसके हर टुकड़े में उस पदार्थ के गुण विद्यमान हैं। अब इसे इतना अधिक पीसें कि यह पाउडर के रूप में आ जाय। अब इस पाउडर को किसी महीन कपड़े से छान लें, छानने पर बहुत महीन कण प्राप्त होते हैं अर्थात छोटे कण भी अनेक अत्यधिक छोटे कणों से मिलकर बने हैं। हम इसी प्रकार के और अति सूक्ष्म कणों की कल्पना कर सकते हैं। इस क्रियाकलाप से स्पष्ट है कि पदार्थ स्वयं सूक्ष्म कणों से मिलकर बने होते हैं जिन्हें अणु या परमाणु कहते हैं।

• अणु (Molecule) •

पदार्थ का वह सूक्ष्मतम कण जो स्वतन्त्र अवस्था में रह सकता है तथा उसमें पदार्थ के सभी गुण विद्यमान होते हैं अणु कहलाता है। किसी तत्व के सभी अणु एक समान होते हैं तथा भिन्न-भिन्न तत्वों के अणु गुणों में भिन्न-भिन्न होते हैं।

• परमाणु (Atom) •

किसी पदार्थ का वह सूक्ष्मतम कण जो स्वतन्त्र अवस्था में नहीं रह सकता परन्तु रासायनिक अभिक्रिया में भाग लेता है, परमाणु कहलाता है।

अणु तथा परमाणु को नग्न आँखों से देखना सम्भव नहीं है। परमाणु आपस में संयुक्त होकर अणु का निर्माण करते हैं। समान परमाणुओं के संयोग से तत्व के अणु बनते हैं, जैसे - ऑक्सीजन, हाइड्रोजन । भिन्न परमाणुओं के संयोग से यौगिक के अणु बनते हैं, जैसे - जल, कार्बन डाइऑक्साइड । अत: परमाणु किसी पदार्थ के निर्माण की मौलिक इकाई हैं।

इस बात को ध्यान में रखिये कि ऐसे सूक्ष्मतम कणों की केवल कल्पना ही की जा सकती है। इनको देखना - दिखाना सम्भव नहीं है। सारे पदार्थ अतिसूक्ष्म कणों से बनते हैं तभी इन्हें पदार्थ की संरचना की इकाई कहा जाता है।

◆ कुछ और भी जानें ◆

परमाणु शब्द को यूनानी भाषा मे एटॉक्स कहते हैं जिसका अर्थ अविभाज्य है। डॉल्टन के परमाणु सिद्धान्त के अनुसार तत्व अत्यन्त सूक्ष्म अविभाज्य कणों से बना होता है जिन्हें परमाणु कहते हैं। इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन तथा न्यूट्रॉन की खोज के बाद परमाणु को विभाज्य माना जाने लगा। आधुनिक परमाणु सिद्धान्त के अनुसार परमाणु विभाज्य है। इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन तथा न्यूट्रॉन को परमाणु का मूलभूत कण भी कहते हैं।

◆ अभ्यास के लिए प्रश्न (क्रमांक-11) ◆

1) पदार्थ के निर्माण की मौलिक इकाई क्या है?

2) पदार्थ का वह सूक्ष्मतम कण जो स्वतंत्र अवस्था में रह सकता है तथा उसमें पदार्थ के सभी गुण विद्यमान होते है, क्या कहलाता है?

3) किसी तत्व के सभी अणु कैसे होते हैं?

4) किन तत्वों के अणु गुणों में भिन्न-भिन्न होते हैं?

5)किसी पदार्थ का वह सूक्ष्मतम कण जो स्वतंत्र अवस्था में नहीं रह सकता परन्तु रासायनिक अभिक्रिया में भाग लेता है, क्या कहलाता है?

◆ उत्तरमाला (क्रमांक-10) ◆

1) दो प्रकार के-हल्का, भारी

2) जल से हल्की वस्तुएं

3) जल से भारी वस्तुएं

4) पारदर्शी, जैसे-काँच,जल

5) अपारदर्शी, जैसे-लकड़ी,कागज

6) पारभासी, जैसे-तेल लगा कागज, पेंट लगा काँच

7) तीन प्रकार के- पारदर्शी, अपारदर्शी, पारभासी

8) दो प्रकार के-मुलायम पदार्थ, कठोर पदार्थ

9) दो प्रकार के-चुम्बकीय पदार्थ, अचुम्बकीय पदार्थ

10) निकिल, कोबाल्ट धातुओं से बनी वस्तुओं को

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अखिलेश कुमार, स०अ०, कम्पोजिट विद्यालय मखुनी, शिक्षा क्षेत्र-रानीपुर, जनपद-मऊ

[3] जल के सापेक्ष भार के आधार पर◆

कुछ पदार्थ जल की अपेक्षा भारी तथा कुछ हल्के होते हैं। जो वस्तुएँ जल में सामान्यतया तैरती हैं वे जल से हल्की तथा जो डूब जाती है वे जल से भारी होती हैं। जल में कुछ पदार्थों को डाल कर देखें कौन तैरती हैं तथा कौन डूबती हैं: जैसे- मोम जल में तैरता है जिसके कारण जल से हल्का स होता है जबकि लोहे की कील जल में डूब जाती हैं जिसके कारण जल से भारी होती हैं।

इस प्रकार जल के सापेक्ष भार के आधार पर पदार्थों को हल्का या भारी में वर्गीकृत किया जा सकता है।

[4] पारदर्शिता के आधार पर◆

लकड़ी, काँच, तेल लगे कागज, पॉलीथीन आदि के छोटे-छोटे चौकोर टुकड़ों को एकत्र करके इन्हें एक-एक करके सूर्य के प्रकाश की सीध में रखें और अवलोकन करें कि क्या प्रकाश सभी वस्तुओं के आर-पार निकल जाता है ?

★वे पदार्थ जिनके आर-पार देखा जा सकता है पारदर्शी कहलाते हैं। पदार्थ के इस गुण को पारदर्शिता कहते हैं। जैसे - काँच, जल आदि।

★वे पदार्थ जिनके आर-पार प्रकाश नहीं देखा जा सकता है, अपारदर्शी कहलाते हैं। जैसे - लकड़ी, कागज आदि।

★वे पदार्थ जिनके द्वारा धुँधला या आंशिक रूप से आर-पार देखा जा सकता है वे पारभासी कहलाते हैं। जैसे तेल लगा कागज, पेंट लगा काँच आदि।

इस प्रकार पारदर्शिता के आधार पर पदार्थ को पारदर्शी, अपारदर्शी तथा पारभासी में वर्गीकृत किया जाता है।

[5] कठोरता के आधार पर◆

कुछ ठोस पदार्थों जैसे - लोहा, लकड़ी, काँच के टुकड़े, रूई, ऊन, रबर की गेंद, स्पंज आदि लीजिए। एक-एक करके इनको अँगुलियों से दबाएँ। कुछ पदार्थ आसानी से दब जाते हैं, ऐसे पदार्थों को मुलायम पदार्थ कहते हैं। कुछ पदार्थ अँगुलियों से दबाने पर नहीं दबते हैं, इन पदार्थों को कठोर पदार्थ कहते हैं।

[6] चुम्बक के सापेक्ष व्यवहार के आधार पर◆

●क्रियाकलाप●

अपने बस्ते में से पेन, पेन्सिल, परकार, रबर, चॉक आदि लें। इसके अतिरिक्त लोहे की कुछ कीलें, लकड़ी का बुरादा, चॉक पाउडर, प्लास्टिक के बटन तथा आलपिन को किसी कागज पर अलग-अलग रखें। एक छड़-चुम्बक लें। प्रत्येक वस्तु के पास बारी-बारी से चुम्बक को लायें। क्या देखते हैं?

चुम्बक जिन पदार्थों को चिपका लेता है अर्थात अपनी ओर आकर्षित करता है वे चुम्बकीय तथा जिन पदार्थों को आकर्षित नहीं करता है वे अचुम्बकीय पदार्थ कहलाते हैं। चुम्बक लोहे से बनी वस्तुओं को अपनी ओर खींच लेता है। लोहे के अतिरिक्त चुम्बक, निकिल, कोबाल्ट जैसी अन्य धातुओं से बनी वस्तुओं को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेता है।

◆ अभ्यास कार्य (क्रमांक-10) ◆

1) जल के सापेक्ष भार के आधार पर वस्तु कितने प्रकार के होते हैं?
2) जो वस्तुएं जल में सामान्यतया तैरती है, वे किस प्रकार की वस्तुएं होती हैं?
3) जो वस्तुएं जल में डूब जाती है, वे किस प्रकार की वस्तुएं होती हैं?
4) वे पदार्थ जिनके आर-पार देखा जा सकता है, किस प्रकार के पदार्थ कहलाते हैं? उनके दो उदाहरण भी दीजिए।
5) वे कौन से पदार्थ है जिनके आर-पार प्रकाश नहीं देखा जा सकता है? उसके दो उदाहरण भी दीजिए।
6) वे कौन से पदार्थ है जिनके द्वारा धुँधला या आंशिक रूप से आर-पार देखा जा सकता है? उनके दो उदाहरण भी बताइये।
7) पारदर्शिता के आधार पर पदार्थ कितने प्रकार के होते हैं?
8) कठोरता के आधार पर पदार्थ कितने प्रकार के होते हैं?
9) चुम्बक के सापेक्ष व्यवहार के आधार पर पदार्थ कितने प्रकार के होते हैं?
10) लोहे के अतिरिक्त चुम्बक किन धातुओं से बनी वस्तुओं को भी अपनी ओर आकर्षित कर लेता हैं?

◆ उत्तरमाला (क्रमांक-08) ◆

1) जल को
2) तीन- ठोस, द्रव, गैस
3) ठोस वस्तुओं का
4) द्रव
5) गैसीय वस्तुओं का
6) ठोस < द्रव < गैस
7) गैस < द्रव < ठोस
8) घुलनशील या विलेय पदार्थ
9) अघुलनशील या अविलेय पदार्थ
10) नमक पानी में घुलनशील है किन्तु मिट्टी के तेल में अघुलनशील है।
11) तीन प्रकार के- ठोस, द्रव, गैस
12) दो प्रकार के- विलेय, अविलेय

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- अखिलेश कुमार, स०अ०, कम्पोजिट विद्यालय मखुनी, शिक्षा क्षेत्र-रानीपुर, जनपद-मऊ

मिशन शिक्षण संवाद

चचा नेहरू का चूडी दार पाजामा

چاچا نہرو کا جوزی دار پاجامہ

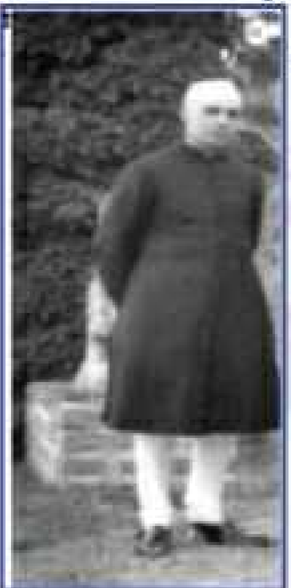

بہت دنوں کی بات ہے ایک بار لندن میں چاچا نہرو کو تقریر کرنے کے لیے بلایا گیا ان دنوں وہاں کے لوگوں نے ان کو اپنی قومی لباس میں کم ہی دیکھا تھا کیوں کہ وزیراعظم ہوتے ہوئے ہندوستان کی عزت برقرار رکھنے کے لئے صرف ہندوستانی ہی لباس ہی پہنتے تھے۔ وہاں جب وہ تقریر کرنے کے لئے کھڑے ہوئے تو ہال میں بیٹھے ہوئے لوگوں اور خصوصا عورتوں میں ہلچل مچ گئی کیونکہ وہ سمجھے کہ ہندوستانی وزیر اعظم صرف انڈرویئر پہن کر آگئے ہیں۔ اور پتلون پہننا بھول گئے ہیں۔ جب سے چاچا نہرو وزیراعظم بن کر دہلی آئے تھے۔ انکی شیروانیاں اور پاجامے کرتے دہلی کے ایک بوڑھے ٹیلر ماسٹر صاحب سیتے تھے۔ چاچا نہرو کو بھلا کہاں فرصت تھی کہ وہ اپنے کپڑوں کی طرف توجہ دیں۔ ہر برس ٹیلر ماسٹر صاحب خود آتے اور چاچا نہرو کی اجازت سے ان کے کپڑوں کی الماری کھولتے۔

बहुत दिनों की बात है एक बार लंदन में चाचा नेहरू को तकरीर करने के लिए बुलाया गया, उन दिनों वहा के लोगों ने उन को अपने कौमी लिबास में कम ही देखा था क्युंकि वज़ीर आजम होते हुए हिंदुस्तान की इज़्ज़त बरकरार रखने के लिए सिर्फ हिंदुस्तानी लिबास ही पहनते थे, वहा जब वो तकरीर करने खड़े हुए तो, हाल में बैठे हुए लोगों और खुसूसन औरतों में हालचल मच गई क्यूंकि वो समझे की हिंदुस्तानी वज़ीर आजम सिर्फ अंडर वेएर पहन कर आ गए है, और पतलून पहनना भूल गए है,
जब से चाचा नेहरू वज़ीर आजम बन कर दिल्ली आये थे उन की शेरवानिया और पैजामे कुर्ते दिल्ली के एक बूढ़े टेलर मास्टर साहब सीते थे।चाचा नेहरू को भला कहाँ फुर्सत थी की वो अपने कपड़ों की तरफ तवज्जो दें, हर बरस टेलर मास्टर साहब खुद आते, चाचा नेहरू की इजाजत से उन की कपड़ो की अलमारी खोलते।

अभ्यास कार्य............... مشق

✍سوال1.پنڈت نہرو کو لندن کس لیے بلایا گیا؟

✍سوال2.عورتوں میں کیوںہلچل مچ گئی؟

✍سوال3.چاچا نہرو کے کرتے پاجامے کون سیتا تھا؟

✍प्रश्न1.पंडित नेहरू को लंदन किस लिए बुलाया गया?

✍प्रश्न2. हाल में बैठी औरतों में क्यों हलचल मच गई?

✍प्रश्न3.चाचा नेहरू के कुर्ते पैजामे कौन सीता था?

پیج3کے جواب۔

✍جواب1۔کرنل جانسن امریکہ کے صدر تھے۔

✍جواب2۔ کرنل جانسن نے پنڈت نہرو سے چوڑی دار پاجامہ کو پہننے کی ترکیب پوچھیں۔

शब्द.... अर्थ 👇 الفاظ..معنی

1..خصوصاً...خاص طور پر

1.ख़ुसूसन.. ख़ास तौर पर

जुमले में इस्तेमाल. पंडित नेहरू को देख कर ख़ास तौर पर औरतों में हलचल मच गई,

नोट:-👉 पंडित जवाहर लाल नेहरू की माता का सवरूप रानी था और उनकी बेटी का नाम इंद्रा गाँधी था और वो हिंदुस्तान की पहली महिला प्रधानमंत्री बनी।

کاپی میں کام کریں کریں کریں۔

बच्चो आप इन सभी जानकारी को याद करें और अपनी कॉपी में लिख कर रखें।

9458278429

Made by- Nadia Hasan Naqui

बच्चों आज हम एक कोलाज़ बनाना सीखेंगे चाचा नेहरू के बारे में जानने के लिए |

👆मोती लाल नेहरू पिता

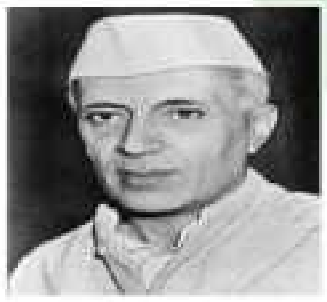

Anand Bhavan (Allahabad) - 2...

अपनी माँ स्वरुप रानी के साथ जवाहर लाल नेहरू

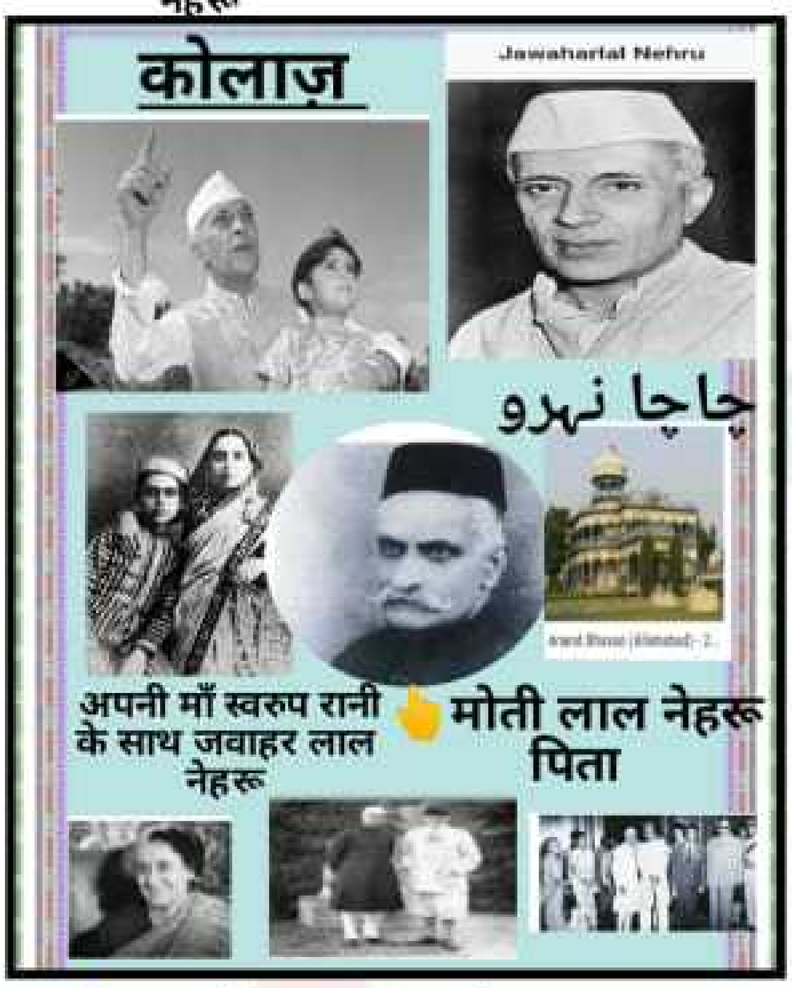

इस 👆 तरह से हम सुन्दर कोलाज़ बना सकते है.

शनिवार गतिविधि

जिस तरह से हम कोई पेंटिंग बनाते है उसी तरह से हम कोलाज़ भी बनाते है आओ सीखे,

1.. सबसे पहले हम तस्वीरें इकट्ठा करेंगे या हाथ से बना लें जिस विषय का हमें कोलाज़ बनाना है उससे संबंधित तस्वीर.

👉फिर हम सारी तस्वीर की कटिंग करेंगे|

👇**कैंची**

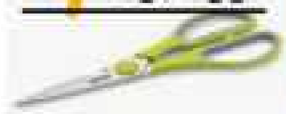

👉**चार्ट paper**👉

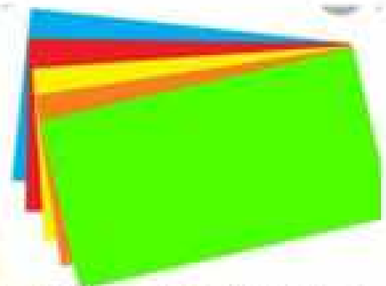

2. .फिर हम एक चार्ट पेपर लेंगे या कोई रंगीन पेपर लेंगे और उसे अपनी मर्ज़ी के अनुसार काट लेंगे जितने साइज का हमें कोलाज़ बनाना है|

3. और सबसे अंत में हम सारी फोटोज को चार्ट पर गोंद से चिपका देंगे और फोटोज़ के निचे उनके नाम भी लिखेंगे और स्कूल या घर में हम इसे लगा सकते है क्यों बच्चों आया मज़ा|

तो बच्चों हम इसी बना कर देखेंगे हम किसी और का भी कोलाज़ बना सकते है इसी तरह से

उर्दू व्याकरण ## اردو قواعد

1..वाहिद/एक वचन /singulal/واحد.

2..जमा/बहुवचन/plural/جمع

پیارے بچوّ! آپ پڑھ چکے ہیں کہ کسی شخص،چیز،یا جگہ کے نام کو اسم کہتے ہیں ۔اب ہم آج آپ کو بتائیں گے کہ واحد اور جمع کیا ہو تے ہیں۔

واحد۔ -جو اسم صرف ایک کو ظاہر کرے وہ واحد اسم ہے۔ جسے ۔۔کتاب, لڑکا, بطخ

جمع۔ -جو اسم ایک سے زیادہ کو ظاہر کرے وہ جمع اسم ہے۔جیسے۔۔ ۔۔کتابیں, لڑکے, بطخیں۔

आज हम वाहिद(एकवचन)और जमा(बहुवचन) के बारे में जानेंगे|

वाहिदواحد:- शब्द के जिस रूप से उसके एक होने का बोध हो, वह एक वचन (वाहिद) कहलाते है| जैसे, लड़का, किताब, बतख़ आदि |

जमा جمع:- शब्द के जिस रूप से उसके एक से अधिक होने का बोध हो वह बहुवचन कहलाते है| जैसे - लड़के, किताबें, नदियाँ आदि |

गृह कार्य-बच्चों कोलाज़ बनाओ और वाहिद और जमा की परिभाषा को याद करो और कॉपी में लिखो|

कोलाज़ की सामग्री:-चार्ट,फोटोज़, कैंची, गोंद कलर पेन |

9458278429

Made by- Nadia Hasan

चाचा नेहरू का चूड़ी दार पाजामा 5

بچوں آج ہم چاچا نہرو سبق کا پانچواں بھاگ پڑھیں گے۔ جو شیروانیاں پاجامہ کرتے دھل دھل کر پرانے ہو گئے تھے یا جن کا رنگ اڑ گیا تھا, ان کو علاحدہ کرتے اور جن نے کپڑوں کی ضرورت نکلتی ان کی فہرست بنا کر چاچا نہرو کے سامنے پیش کرتے ۔چاچا نہرو یہ فہرست پڑھتے اور کہتے,چھ شرواںیاں؟ ارے چھ کی کیا ضرورت ہے دو۔سے کام چل جائےگا۔

چند روز کے بعد ٹیلر ماسٹر صاحب شیروانیوں کو کچا سیکر ٹرائل کرانے آتے تو چاچا نہرو خاص طور سے وقت نکال کر ان سے فٹنگ کرواتے تھے۔ پنڑت جی کے کرتے پا جا مے کھدرؔ کے ہی ہوتے تھےاور شیروانی گرمی میں کھدرؔ کی اور جاڑے میں کشمیری اونی کپڑے کی۔ لیکن ہر چیز کی طرح چاچا نہرو کپڑوں کے معاملے میں بھی نفاست پسند تھے۔ اور جامع زیب بھی تھے۔ ہر لباس خصوصاً شیروانی اور چوڑی دار پاجامہ ان پر خوب جچتا تھا شیروانی نہ ڈھیلی ہوتی نہ تنگ۔ بالکل چست اور ایسی فٹ آتی کی ملتا تھا کہ بدن شیروانی میں ڈھل گیا ہے۔ یہ درزی کی کاریگری ہی نہیں تھی, چاچا نہرو کے چھریرے بدن کا کمال تھا۔ ان کا محبوب لباس چوڑی دار پاجامہ اور شیروانی ان کے کسرتی, گٹھے ہوئے سڈول جسم اور ان کی دلفریب شخصیت کا ایک جز معلوم ہوتا تھا ارو اپنی خاموش زبان سے اعلان کرتا تھا۔ میں ہندوستانی ہوں؛ میں ہندوستانی ہوں؛ میں ہندوستانی ہوں۔

چاچا نہرو کا چوڑی دار پاجامہ

शब्द.. अर्थ

✍️1..फ़ेहरिस्त.... लिस्ट
✍️2.पेश करना... देना
✍️3.खामोश.. चुप रहना
✍️4.फबना.. बहुत अच्छा लगना

बच्चों आज चाचा नेहरू सबक का आखरी और पांचवा हिस्सा पढ़ेंगे पिछले सबक में अपने पढ़ा की चाचा नेहरू के कुर्ते पैजामे दिल्ली के टेलर मास्टर साहब सीते थे वो हर बरस आते और जिन कपड़ों की ज़रूरत होती चाचा नेहरू को उसकी लिस्ट बना कर उनके सामने पेश करते और चाचा नेहरू कहते अरे छे शेरवानी की क्या ज़रूरत है दो से काम चल जाएगा। और जब चंद रोज़ बाद टेलर मास्टर आते तो चाचा नेहरू ख़ास तौर पर वक़्त निकल कर शेरवानी पहन कर चेक करते.

पंडित जी के कुर्ते पैजामे खददर के और शेरवानी भी गर्मी में खददर की और जाड़े में कश्मीरी ऊनी कपड़े की होती लेकिन हर चीज़ की तरह चाचा नेहरू कपड़ों के मामले में भी नफ़ासत पसंद थे और जामाज़ेब भी थे, हर लिबास ख़ुसूसन शेरवानी और चूड़ी दार पाजामा उन पर बहुत अच्छा लगता था, शेरवानी ना ढीली होती ना तंग, बिलकुल चुस्त और ऐसी फिट आती की लगता था बदन शेरवानी में ढल गया है ये टेलर का कमाल ही नहीं था, चाचा नेहरू के छरेरे बदन का कमल था,उन का प्यारा लिबास चूड़ी दार पाजामा और शेरवानी उन के कसरती,सुडौल जिस्म और उन की दिलफरेब शख़्सियत का ही एक जुज़ मालूम होता था और अपनी खामोश ज़बान से ऐलान करता था "मैं हिंदुस्तानी हूँ !मैं हिंदुस्तानी हूँ ! मैं हिंदुस्तानी हूँ ! हिंदुस्तानी

पेज 10 के जवाब

✍️उत्तर1..पंडित नेहरू को तक़रीर करने के लिए लंदन बुलाया गया |

✍️उत्तर2.. हाल में बैठी औरतों में इस लिए हल चल मच गई क्यूंकि उन्होंने सोचा की हिंदुस्तान के वज़ीर आज़म पतलून पहनना भूल गए है|

✍️उत्तर3.चाचा नेहरू के कुर्ते पैजामे दिल्ली के एक टेलर मास्टर साहब सीते थे|

پیج 10 کے جواب

✍️جواب1۔پنڑت نہرو کو تقریر کرنے کے لئے لندن بلایا گیا۔

✍️جواب2۔عورتوں میں اس لئے ہلچل مچ گئ کیونکہ انہوں نے سمجھا کہ ہندوستان کے وزیراعظم بنا پتلون پہنے ہی اسٹیج پر آ گئے ہیں۔

✍️جواب3۔ چاچا نہرو کے کرتے پاجامہ دہلی کے ایک ٹیلر ماسٹر صاحب سیتے تھے۔

अभ्यास कार्य

✍️प्रश्न1.पंडित नेहरू पर पाँच वाक्य लिखो?

✍️प्रश्न2. उन का लिबास अपनी खामोश ज़बान से क्या कहना चाहता था?

گھر کا کام...مشق

✍️سوال1۔ پنڑت نہرو پر پانچ جملے لکھو؟

✍️سوال2۔ ان کا لباس خاموش زبان سے کیا کہنا چاہتا تھا؟

✍️नोट 👉पंडित नेहरू एक बहुत अच्छे लेखक भी थे और उन्होंने बहुत सी किताबें लिखी|"भारत एक खोज "उनकी प्रसिद्ध किताब है |

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- Nadia Hasan

विषय- हिन्दी व्याकरण पाठ- कक्षा - 6, 7, 8

प्रकरण- रचनात्मक गतिविधि क्रमांक- 12

मिशन शिक्षण संवाद

नीचे लिखे निम्न उपसर्गों को याद करें--

1-अनु- पीछे-अनुकरण, अनुसरण, अनुज।
2- अन्-नहीं, अनुपस्थिति, अनावश्यक।
3- दुर्- बुरा/कठिन-दुर्बल, दुर्जन, दुर्बल।
4- कु-बुरा- कुरीति, कुपुत्र, कुमति, कुसंग।
5- प्र- आगे/अधिक-प्रगति, प्रताप, प्रसार।

रचनात्मक गतिविधि

बच्चों! आपने क्रमांक 11में पढ़ाये गये सभी उपसर्गों को समझ लिया होगा और याद भी कर लिया होगा।

आप विभिन्न उपसर्ग लगाकर बनने वाले नये शब्दों में होने वाले अर्थ-परिवर्तन को समझें और याद किए उपसर्गों को विभिन्न रंगों के चार्ट पेपर पर सुन्दर-सुन्दर लिखना होगा।

उदाहरण- 1-स्व+ देश= स्वदेश= अपना देश।
2-उप+देश= उपदेश=शिक्षा।
3-सु+पुत्र= सुपुत्र= अच्छा बेटा।
4- आ+देश=आदेश=आज्ञा।
5- वि+देश=विदेश= दूसरा देश।
6- सम्+देश= संदेश= ख़बर।

सीखने का प्रतिफल (learning outcome)

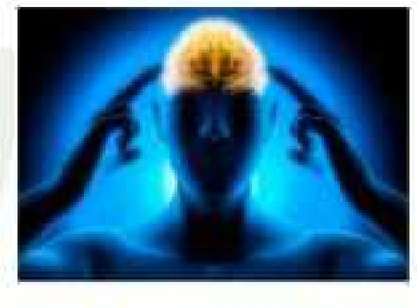

1- बच्चों में मानसिक व तर्क शक्ति का विकास।
2- शब्द भण्डार का ज्ञान आसानी व सहजता से हो जायेगा।
3- स्वयं करके सीखने से याद करने के साथ ही समूह में काम करने की क्षमता का विकास होना।
4- रचनात्मक कौशल में वृद्धि।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbu Kasganj 9458278429

विषय- **पर्यावरण** पाठ- **वन एवं वन्य जीव** कक्षा - जूनियर

प्रकरण- वनों की उपयोगिता क्रमांक- **11**

मिशन शिक्षण संवाद

वन

परिभाषा

जहाँ सघन रूप से पेड़-पौधे, वनस्पतियाँ विविध प्रकार के जीव जन्तु पाये जाते हैं उसे वन कहते हैं।

वनों की उपयोगिता

1- वनों से हमें शुद्ध वायु एवं जल मिलता है।
2- भोजन के लिए फल एवं सब्जियाँ भी वन से मिलती हैं।
3- इमारती लकड़ियाँ जैसे- शीशम, साखू, सागौन, आम,नीम,आदि भी वन से मिलती हैं।
4- वन तेज वर्षा में मिट्टी के कटाव को कम करता है।
5-वनों से हमें कागज, दियासलाई, रेशम आदि उद्योगों के लिये कच्चा माल मिलता है।
6-विभिन्न प्रकार की जड़ी-बूटियाँ, गोंद, रबर, छाल , लाख आदि भी वनों से मिलता है।
7-वनों में बहुत से पक्षी पेड़ों पर घोंसला बना कर रहते हैं जैसे- गौरैया, तोते, कबूतर
8- अनेक जानवर जैसे- शेर, हाथी, हिरन, सियार झाड़ियों या गुफाओं में रहते हैं।

1- नीम

2-ईसबगोल बीज

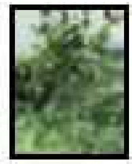

3-सिनकोना

4-जामुन

5-यूकेलिप्टस

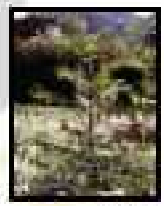

6-मुलेठी

[illegible]	पौधे का नाम	उपयोगी भाग	औषधीय गुण
1	नीम	पत्ती	खून साफ करना
2	ईसबगोल बीज	भूसी	पेचिश या कब्ज ठीक करना
3	सिनकोना	छाल	मलेरिया की दवा
4	जामुन	बीजों का चूर्ण	शुगर में लाभदायक
5	यूकेलिप्टस	तेल	जुकाम की दवा
6	मुलेठी	जड़	गले की खराश

वनों की संख्या कम होने के कारण

मानव ने जबसे कृषि का कार्य आरम्भ किया है तो उसने केवल घास के मैदान ही नहीं काटे बल्कि वनों का विनाश भी किया है। इसके अतिरिक्त उद्योगों की स्थापना ,रेलवे निर्माण, सड़क निर्माण, आदि के परिणामस्वरूप भी वनों को काटा गया है।

उत्तरमाला क्रमाक - 10

1- वाष्पीकरण
2- संघनन
3- प्रकाश संश्लेषण
4- गैसीय अपशिष्ट
5- जल चक्र

विलुप्त प्रजातियाँ

पशु -पक्षियों की वह प्रजातियाँ जो पूरी तरह खत्म हो गई हैं उन्हें विलुप्त प्रजाति कहते हैं जैसे-डायनासोर, मेमथ।

उत्तरमाला

वर्ग पहेली में 5 इमारती लकड़ियों के पेड़ छांटिए

गी	आ	भे	सा	खू
नी	म	ठ	फ	बे
छ	ती	से	शी	सा
भु	दे	त्र	श	गौ
ल	बे	फा	म	न

संकटग्रस्त प्रजातियाँ

वह प्रजातियाँ जो खत्म होने की कगार पर हैं उन्हें संकटग्रस्त प्रजातियाँ कहते हैं जैसे- बाघ,गिद्ध।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम. तौक़ीर(लखनऊ),शीला सिंह(ग़ाजीपुर)

विषय- कंप्यूटर पाठ- कंप्यूटर कक्षा -UPS
प्रकरण- पर्सनल कंप्यूटर क्रमांक - 8

मिशन शिक्षण संवाद

पर्सनल कम्प्यूटर के भाग एवं कार्य

पर्सनल कम्प्यूटर को तीन भागों में बाँटा जा सकता है-डेस्कटॉप, लैपटॉप एवं पामटॉप

डेस्कटॉप कम्प्यूटर (Desktop Computer)

पर्सनल कम्प्यूटर का सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाने वाला डेस्कटॉप कम्प्यूटर है। यह एक ऐसा कम्प्यूटर है जिसे किसी मेज पर रखकर प्रयोग किया जाता है इसलिए इसे डेस्कटॉप या डेस्कटॉप पी.सी. के नाम से जाना जाता है।

लैपटॉप कम्प्यूटर (Laptop Computer)

ये कम्प्यूटर वे होते हैं जिनको व्यक्ति अपनी गोद में रखकर कार्य कर सकता है। यह साईज में बहुत छोटे होते हैं। इन कम्प्यूटर को व्यक्ति एक स्थान से दूसरे स्थान पर आसानी से ले जा सकते हैं। इनमें पावर के लिए बैटरी और ए.सी. विद्युत दोनों का प्रयोग किया जा सकता है।

पामटॉप कम्प्यूटर (Palmtop Computer)

ये कम्प्यूटर लैपटॉप कम्प्यूटर से छोटे होते हैं। इनको हथेली पर रखकर चलाया जाता है तथा व्यक्ति अपनी जेब में रख सकता हैं। आजकल मोबाइल में भी यह सुविधा उपलब्ध होने लगी है। पामटॉप कम्प्यूटर में कैलकुलेटर के समान बटनों वाला की-बोर्ड होता है और एक छोटी स्क्रीन होती है। यह बैटरी से चलाया जाता है।

पर्सनलकम्प्यूटरकेमुख्यकार्य-

इनकाप्रयोगइण्टरनेटकेउपयोगके लिएकियाजासकताहै।
शब्दएवंगणनाओंकाप्रयोग, सांख्यिकीगणनाआदिमेंइनकाप्रयोग कियाजासकताहै।
प्रेजेन्टेशनबनाने,बच्चोंकेगेमखेलनेमें इनकाप्रयोगकरतेहैं।
सॉफ्टवेयरनिर्माणकरनेमेंभीपर्सनल कम्प्यूटरकाप्रयोगकियाजाताहै।

गृहकार्य

प्र,1. पर्सनल कंप्यूटर को कितने भागों में बांटा जा सकता है?

प्र2. पर्सनल कंप्यूटर के मुख्य कार्य क्या हैं?

उत्तरमाला

उ.1 निर्देशों का एक सेट को एक विशेष कार्य करता है, प्रोग्राम या सॉफ्टवेयर कहलाता है।

उ.2 4 प्रकार–सिस्टम सॉफ्टवेयर, एप्लिकेशन सॉफ्टवेयर, पैकेजेस, यूटिलिटीज।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- भारती मांगलिक, बुलंदशहर

विषय- चित्रकला **पाठ-**आलेखन **कक्षा -**UPS

प्रकरण- चित्रण व रंग **क्रमांक-** 12

मिशन शिक्षण संवाद

आओ बच्चों आलेखन बनायें व रंग भरें।

अंतिम आलेखन कॉपी मे बनायें ।

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- **नीरा चौहान प्रा०वि० फुगाना–2,मुजफ्फरनगर**

विषय- हमारा पर्यावरण **पाठ-** मिट्टी और वायु **कक्षा -**जूनियर

प्रकरण- जल चक्र, आकसीजन और कार्बनडाइऑक्साइड **क्रमांक - 10**

मिशन शिक्षण संवाद

जलचक्र-

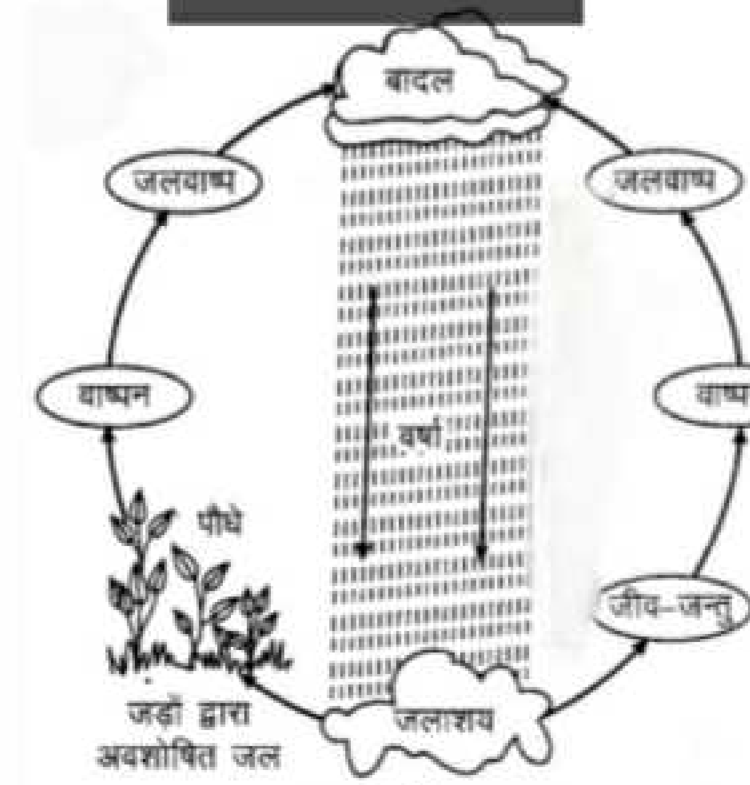

प्रकृति में जल चक्र

पृथ्वी पर जल स्रोतों का जल निरन्तर भाप में बदलता रहता है, इस प्रकिया को वाष्पीकरण कहते हैं। अधिक तापमान पर अधिक और कम तापमान पर कम वाष्पीकरण होता है। वायु में इसी जल वाष्प को आद्रता या नमी कहते हैं ।

वाष्प वायुमण्डल में जाता है फिर संघनित होकर बादल बनता है और फिर बादल बनकर ठोस (हिमपात) या द्रव रूप में वर्षा के रूप में बरसता है। हिम पिघलकर पुनः द्रव में परिवर्तित हो जाता है। इस तरह जल की कुल मात्रा स्थिर रहती है।

जल का स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल मे निरन्तर आदान-प्रदान होता रहता है इसी को जलचक्र कहते हैं ।

पृथ्वी पर पेड़ पौधे ऑक्सीजन के मुख्य उत्पादक हैं. ये सूर्य के प्रकाश से ऊर्जा लेकर प्रकाश संश्लेषण की क्रिया से कार्बन को सोखते हैं और वातावरण में ऑक्सीजन छोड़ते हैं.

जीव-जंतु इस ऑक्सीजन को सांस लेने की क्रिया द्वारा अपने शरीर में लेते हैं और अपना जीवन चलाते हैं।

जीवन और आक्सीजन

श्वसन जीवन की मुख्य क्रिया है।श्वसन में जीव वायु से आक्सीजन का उपयोग कर कार्बन डाई ऑक्साइड छोड़ता है।जलीय जीव भी जल में घुली आक्सीजन लेते हैं। इसके अतिरिक्त जलने(दहन),किण्वन, सड़ने के लिए भी आक्सीजन अनिवार्य है। इसके बिना आग नहीं जल सकती। जीवों द्वारा छोड़े गये कार्बन डाइ ऑक्साइड का उपयोग हरे पौधे प्रकाश-संश्लेषण क्रिया मे करते हैं और इस क्रिया में आक्सीजन मुक्त होती है और वायु में आक्सीजन की मात्रा नियंत्रित रहती है।

यह भी जानिए-

- मानव के क्रिया कलापों,वनों के कटाव, उद्योगों से निकलती गैसें यातायात से निकले धुयें, घरेलू उपकरणों से गैसों के रिसाव आदि गैसीय अपशिष्ट कहलाते है।
- वायु का 1/5भाग जलने के लिए आवश्यक है।
- ज्वालामुखी द्वारा निकलने वाली गैसों में भी कार्बन डाई ऑक्साइड की मात्रा होती है।
- वायुमंडल में कार्बन डाई ऑक्साइड पदार्थों के जलने, सड़ने, सांस लेने आदि से आती है।
- कारखानों की चिमनियों में धूम्र अवक्षेपक लगा कर प्रदूषण को कम किया जा सकता है।
- संघनन- जब जलवाष्प ठंडी होकर जल मे बदलती है इस क्रिया को संघनन कहते हैं।

अभ्यास कार्य

एक शब्द में लिखो-

1- पानी का भाप में बदलना _____
2- भाप का पानी में बदलना _____
3- पौधों द्वारा भोजन निर्माण_____
4-कल कारखानों से निकला धुआं ______
5- जल का वायुमंडल, जलमंडल और स्थल मंडल मे आदान-प्रदान ____

उत्तर माला पेज-9

भूमि की ऊपरी परत- मिट्टी
बलुई मिट्टी - बड़े कण
चिकनी मिट्टी- छोटे कण
सिल्ट मिट्टी- मध्यम कण
नाइट्रोजन- 78%
आक्सीजन-21%

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- **शीला सिंह (गाजीपुर), शबनम तौकीर(लखनऊ)**

कागज मोडकर पत्ती बनाओ।पत्तियां बनाकर अपना मनपसंद चित्र सजाओ।

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम नीरा चौहान प्र०वि०फुगाना–2 मुजफ्फरनगर

मिशन शिक्षण संवाद

कुपोषण-

शरीर में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी या अधिकता कुपोषण है जिसके कारण बच्चे कई बीमारियों से ग्रसित हो जाते हैं। कुपोषण के प्रमुख कारक निम्नवत् हैं-

1. प्रोटीन की कमी-प्रोटीन की कमी के कारण शरीर की वृद्धि रूक जाती है। मांसपेशियाँ कमजोर हो जाती हैं। एकाग्रता में कमी तथा कुछ भी सीखने में परेशानी होती है।
रोग-क्वॉशियोरकर, मेरास्मस।
2. कार्बोहाइडे्ट की कमी- इसकी कमी से शरीर कमजोर हो जाता है। रक्त में शर्करा की मात्रा कम हो जाती है।
3. वसा की कमी-वसा की कमी से मांस पेशियाँ कमज़ोर हो जाती हैं। त्वचा रूखी हो जाती है।
4. विटामिन्स की कमी-विभिन्न प्रकार के विटामिन्स की कमी के कारण रतौंधी, बेरी-बेरी, स्कर्वी, रिकेट्स, आदि रोग होते हैं।
5. खनिज लवण की कमी-इनकी कमी से अस्थि दुर्बलता, घेंघा, रक्ताल्पता आदि रोग होते हैं।

और भी जानें -

आजकल पैकेट बंद फूड, फास्ट फूड का बहुत प्रचलन है। पैकेट बंद फूड भले ही खाने में स्वादिष्ट लगते हों, लेकिन उनमें विटामिन्स और मिनरल्स का अभाव होता है, जो हमारे शरीर के लिए आवश्यक होते हैं। इस प्रकार के खाद्य पदार्थों को खाने से बचना चाहिए।

खाद्य पदार्थ खरीदते समय उनके लेबल पर एक्सपायरी डेट जरूर देख लें।

हमने जाना

संतुलित भोजन का अर्थ, विभिन्न खेलों के खिलाड़ियों के लिए पोषक आहार एवं पोषक तत्वों की कमी का हमारे शरीर पर पड़ने वाला प्रभाव।

प्रोजेक्ट वर्क

आप सुबह के नाश्ते से लेकर रात के भोजन तक के आहार में किन-किन भोज्य पदार्थों को सम्मिलित करते हैं, प्रत्येक बार के भोजन में सम्मिलित भोज्य पदार्थों की सूची बनाइए।

उत्तरमाला पेज - 9

1. भोजन शरीर को शक्ति प्रदान करता है।
2. भोजन तत्वों से एन्ज़ाइम तथा हारमोन्स बनाता है।
3. लगभग 09 कैलोरी।
4. 6 से 8 गिलास

अभ्यास प्रश्न

1. सन्तुलित भोजन किसे कहते हैं?
2. भोजन के प्रमुख कार्य क्या हैं?
3. कुपोषण से आप क्या समझते हैं? विटामिन्स की कमी से होने वाले रोगों के नाम लिखिए?

विषय-हिन्दी व्याकरण पाठ- कक्षा - 6, 7, 8

प्रकरण- संस्कृत के उपसर्ग क्रमांक - 11

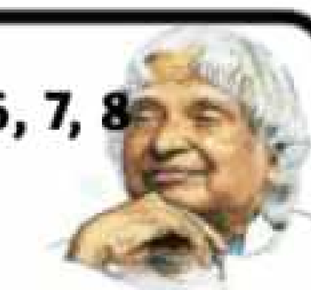

मिशन शिक्षण संवाद

संस्कृत में 22 उपसर्ग होते हैं-

उपसर्ग अर्थ

1-अति- अधिक/परे👉अत्यन्त, अतिरिक्त, अत्यधिक, अत्युत्तम।

2- अधि- मुख्य/श्रेष्ठ।👉अधिकृत, अध्यक्ष, अध्यादेश, अधीन।

3-अनु- पीछे/ समान 👉अनुज, अनुरूप, अनुराग, अनुकरण।

4-अप-विपरीत/बुरा👉 अपव्यय, अपकर्ष, अपशकुन, अपेक्षा।

5-अभि-पास/सामने👉अभिभूत, अभ्युदय, अभ्यन्तर, अभ्यास, अभीप्सा।

6-अव- बुरा/ हीन 👉 अवज्ञा,अवतार, अवकाश, अवशेष।

7-आ-सहित 👉आलेखन, आगमन, आजीवन

8-उत् -ऊपर/ श्रेष्ठ 👉 उत्तम, उद्धार, उच्छवास, उल्लेख।

9- उप-समीप👉 उपवन, उपेक्षा, उपाधि, उपहार, उपाध्यक्ष।

10-दुर्-बुरा/ कठिन👉 दुरूह, दुर्गुण, दुरवस्था, दुराशा, दुर्दशा।

11-दुस्- बुरा/ कठिन👉 दुष्कर, दुस्साध्य, दुस्साहस।

12निर्- रहित/बाहर 👉 , निर्धन, नीरोग, नीरस,निराकार।

13- निस्/बिना/बाहर 👉 निश्छल, निष्काम, निष्फल,निस्सन्देह।

14- प्र-आगे/अधिक प्रयत्न, प्रारम्भ, प्रेत, प्राचार्य,प्रार्थी।

15-परा ,पीछे/अधिक 👉 पराक्रम, पराविद्या, परावर्तन,पराकाष्ठा।

16- परि-चारों ओर 👉 पर्याप्त, पर्यटन, पर्यन्त, परिमाण, परिच्छेद,पर्यावरण।

17-प्रति- प्रत्येक 👉 प्रतीक्षा, प्रत्युत्तर, प्रत्याशा, प्रतीति।

18-वि- विशेष/भिन्न👉 विलय, व्यर्थ, व्यवहार, व्यायाम,व्यंजन,व्यसन,व्यूह।

19-सु-अच्छा/सरल 👉 सुगन्ध, स्वागत, स्वल्प, सूक्ति, सुलभ।

20-सम् -पूर्ण शुद्ध👉 संकल्प, संशय, संयोग, संलग्न, सन्तोष।

21-अन्- नहीं/बुरा 👉 अनुपम, अनन्य, अनागत, अनुचित, अनुपयोगी।

22-प्र-आगे/अधिक👉प्रकाश,प्रभात, प्रचार, प्रसार, प्रगति।

गृहकार्य-

👉पढ़ें, याद करें व उत्तर पुस्तिका में लिखे।

👉निम्नांकित उपसर्गों को लगाकर नये शब्द बनाइए-

प्र, अनु, वि, सु।

शेष अगले क्रमांक में-

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- प्रवीणा दीक्षित Kgbv Kasganj

विषय- कंप्यूटर पाठ- कंप्यूटर कक्षा -UPS
प्रकरण- कंप्यूटर सॉफ्टवेयर क्रमांक - 7

मिशन शिक्षण संवाद

कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर

निर्देशों का एक समूह (सैट)जो एक विशेष कार्य करता है, प्रोग्राम या सॉफ्टवेयर प्रोग्राम कहलाता है। प्रोग्राम के निर्देश, कम्प्यूटर को इनपुट कार्य करने, डाटा को प्रोसेस करने तथा रिजल्ट को आउटपुट करने के लिए निर्देशित (डायरेक्ट) करते हैं। कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर परिणाम को भी निर्धारित करता है

सॉफ्टवेयर के प्रकार

सॉफ्टवेयर को चार श्रेणियों में बाँटा जा सकता है -1. सिस्टम सॉफ्टवेयर, 2. ऐप्लीकेशन सॉफ्टवेयर, 3. पैकेजेज, 4. यूटिलिटीज

सिस्टम सॉफ्टवेयर :–

सिस्टम सॉफ्टवेयर एक या एक से अधिक प्रोग्राम्स के सेट हैं जो मूल रूप से एक कम्प्यूटर सिस्टम के कार्य को कंट्रोल करने के लिए डिजाइन किये गये हैं। ये जनरल प्रोग्राम्स हैं जो ऐप्लीकेशन्स प्रोग्राम्स को ऐक्जीक्यूट करने के सभी स्टेप्स (जैसे सभी कार्यों को कंट्रोल करना, डाटा को कम्प्यूटर के बाहर और अन्दर मूव कराना आदि) को करने के लिए कम्प्यूटर सिस्टम को प्रयोग करने में यूजर्स की मदद के लिए होते हैं।

सिस्टम सॉफ्टवेयर के अनुप्रयोग:--

- अन्य सॉफ्टवेयर को चलाना।
- प्रिंटर्स, कार्डरीडर्स, डिस्क और टेप डिवासेस आदि के साथ कम्प्यूनिकेट करना।
- अन्य प्रकार के सॉफ्टवेयर को विकसित करना।
- विभिन्न हार्डवेयर रिसोर्सेज जैसे मेमोरी, प्रिंटर्स, सी.पी.यू. आदि के प्रयोग को मॉनीटर करना।

इस तरह सिस्टम सॉफ्टवेयर कम्प्यूटर सिस्टम के कार्य को अधिक कुशल और प्रभावी बनाते हैं।

गृहकार्य

प्र.1 कंप्यूटर सॉफ्टवेयर क्या है?
प्र.2 सॉफ्टवेयर कितने प्रकार के होते हैं?

उत्तरमाला (क्रमांक - 6)

क) कीबोर्ड	104 बटन
ख) माउस।	स्क्रॉल
ग) मॉनिटर	सी.आर.टी.
घ) स्पीकर	गाना सुनना

9458278429
निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-भारती मांगलिक, बुलंदशहर

विषय- खेल एवं स्वास्थ्य शिक्षा पाठ- 3 खेल एवं हमारा भोजन कक्षा -UPS

प्रकरण- आहार क्रमांक- 9

मिशन शिक्षण संवाद

हमारा भोजन

सामान्यतः पूरे दिन में जो कुछ भी हम खाते हैं उसे भोजन या आहार कहते हैं। हमारे शरीर की वृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए हमारे भोजन में वे सभी पोषक तत्व उचित मात्रा में होने चाहिए जिनकी आवश्यकता हमारे शरीर को है। कोई भी पोषक तत्व न अधिक हो न कम। हमारे भोजन में पोषक तत्व, विटामिन्स एवं खनिज के साथ पर्याप्त मात्रा में रेशे युक्त खाद्य तथा जल भी होना चाहिए। इए प्रकार के आहार को 'संतुलित आहार' कहते हैं।

भोजन के निम्नलिखित कार्य होते हैं-

1. भोजन शरीर को शक्ति प्रदान करता है।
2. भोजन के द्वारा शरीर का निर्माण और मरम्मत का कार्य होता है।
3. भोजन के द्वारा रोगों से सुरक्षा होती है।
4. भोज्य तत्वों से एन्जाइम तथा हार्मोन्स बनता है जो शरीर के लिए लाभकारी होता है।

उत्तरमाला पेज - 8

1. समय समय पर बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलानी चाहिए।
2. कृमि संक्रमण रोकने के लिये हमें एल्बेंडाजोल की टेबलेट खानी चाहिए।
3. स्वस्थ रहने के लिए डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

अभ्यास प्रश्न

1. भोजन शरीर को क्या प्रदान करता है?
2. भोजन तत्वों से क्या बनाता है?
3. 1ग्राम वसा में कितने कैलोरी उर्जा प्राप्त होती है?
4. एक दिन में कितने गिलास पानी पीने चाहिए?

01 ग्राम शुद्ध वसा में लगभग 09 कैलोरी उर्जा प्राप्त होती है। 01 ग्राम प्रोटीन में लगभग 04 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। 01 ग्राम कार्बोहायड्रेट में लगभग 4.1 कैलोरी ऊर्जा प्राप्त होती है। खिलाड़ियों के लिए अपेक्षित कैलोरी की मात्रा -

12 वर्षीय बच्चे (शाकाहारी/मांसाहारी) के लिए पूरे दिन का संतुलित आहार

भोज्य पदार्थ	मात्रा	पके हुए भोजन की अनुमानित मात्रा
अनाज	300 ग्राम	10 कप
(अ) चावल	160 ग्राम	5 कप
(ब) गेहूं	160 ग्राम	6-7 रोटी
दाल	70 ग्राम	3 कप
हरी पत्तेदार सब्जियाँ	75 ग्राम	2 कप
अन्य सब्जियाँ	75 ग्राम	1/2 कप
फल	50 ग्राम	
दूध	250 मिली	1 गिलास
वसा तथा तेल	35 ग्राम	2 चम्मच
शक्कर/चीनी/गुड़	50 ग्राम	चम्मच (बड़ा)
मांस, मछली	35 ग्राम	
अण्डा	1 अण्डा	1 अण्डा
जल	6-8 गिलास	

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- मिशन शिक्षण संवाद

विषय-चित्रकला पाठ-तितली कक्षा - UPS

प्रकरण- चित्रण व रंग क्रमांक- 10

मिशन शिक्षण संवाद

तितली उड़ी, उड़ के चली।

1

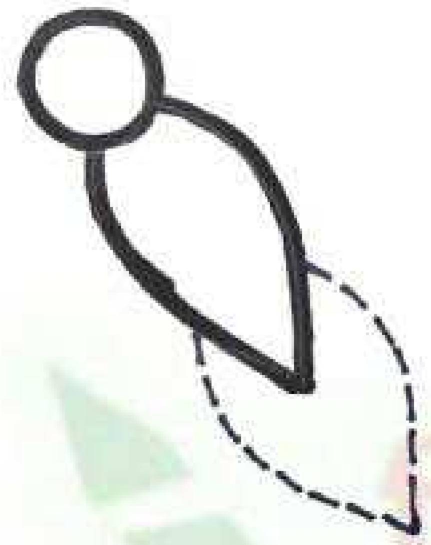

2

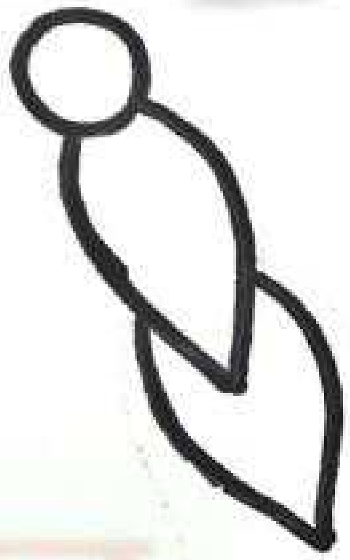

3

4

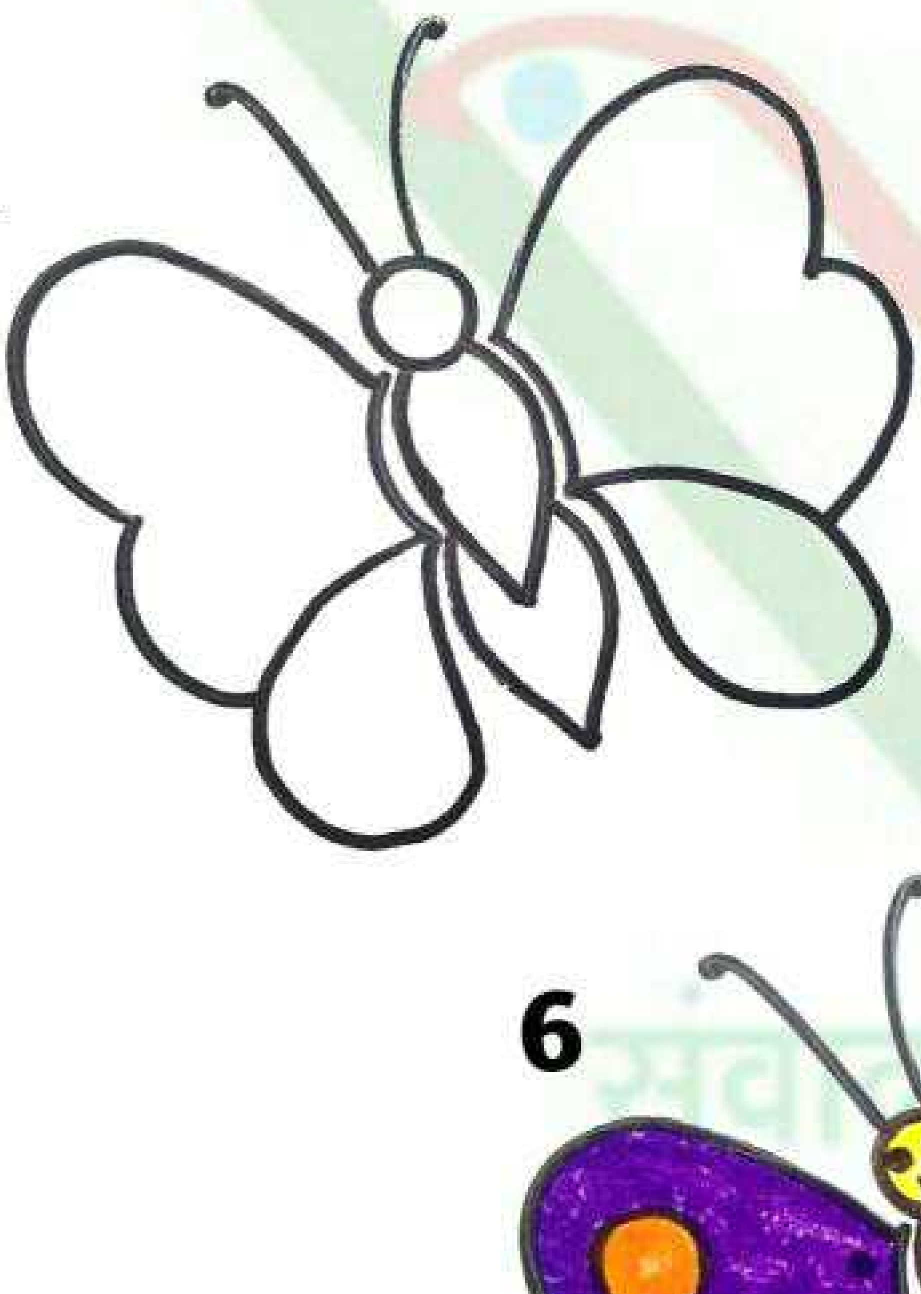

5

6

केवल अंतिम चित्र को अपनी कॉपी पर बनायें।

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- चेतना सिंह (प्राथमिक विद्यालय इमरता)

विषय- **पर्यावरण** पाठ- मिट्टी और वायु कक्षा -जूनियर

प्रकरण- मिट्टी के प्रकार एवं उपयोगिता क्रमांक- **9**

मिशन शिक्षण संवाद

मिट्टी

परिभाषा

मिट्टी भूमि की सबसे ऊपरी परत होती है जो चट्टानों के टूटने से बनती है इसके अन्दर जल,आक्सीजन एवं पोषक तत्व होते हैं।

मिट्टी के प्रकार

चट्टानों एवं वातावरण की विभिन्नता के कारण मिट्टी अलग-अलग जगह पर अलग -अलग रंग की होती है बालू की मात्रा एवं कणों के आधार पर मिट्टी निम्न प्रकार की होती है।

1- बलुई मिट्टी
जिस मिट्टी में बड़-बड़े कण होते हैं और बालू की मात्रा अधिक होती है वह.बलुई मिट्टी होती है।

2- चिकनी मिट्टी
जिस मिट्टी में कण छोटे होते हैं और बालू की मात्रा कम होती है वह चिकनी मिट्टी होती है।

3- सिल्ट
जिस मिट्टी के कण मध्यम आकार के होते हैं उसे सिल्ट कहते हैं।

मिट्टी की उपयोगिता

1- पौधों को खड़े रहने का आधार देना।
2- पौधों को बढ़ने के लिए पोषक तत्व देना।
3- पानी को सोखना जिसे जड़ें अवशोषित करतीं हैं।
4-कुछ जन्तु मिट्टी में घर (बिल,बाम्बी, गुफा बरोज) बनाकर रहते हैं ।जैसे चूहा, साँप, दीमक, नेवला ,शेर आदि।
5- कुछ जन्तु मिट्टी में उगी झाड़ियों में रहते हैं।जैसे- नीलगाय, हिरन, जीराफ आदि।

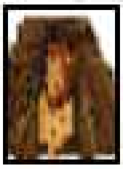

मृदा(मिट्टी) प्रदूषण

1-पेड़- पौधों एवं घास के मैदान काटे जाने से मिट्टी का कटाव बढ़ रहा है।जिससे मिट्टी के पोषक तत्व बह जाते हैं।
2- रासायनिक उर्वरकों एवं कीटनाशकों के प्रयोग से मिट्टी के गुण नष्ट हो रहे हैं।

उत्तरमाला पेज 8

1- गली प्लग
2- चैक डैम
3- छत

वायु

पृथ्वी के चारों ओर वायु है। जिसमें अनेक प्रकार की गैसें हैं। पृथ्वी के चारों ओर बना गैसों का घेरा वायुमण्डल कहलाता है।
इस वायुमण्डल में नाइट्रोजन(78%) आक्सीजन(21%), कार्बन डाई आक्साइड तथा अन्य गैसें(1%)हैं। इसके अतिरिक्त वायुमण्डल में जलवाष्प व धूल के कण भी पाए जाते हैं।

गृहकार्य

मिलान करिए

भूमि की ऊपरी परत	मध्यम कण
बलुई मिट्टी	मिट्टी
चिकनी मिट्टी	बड़े कण
सिल्ट मिट्टी	छोटे कण
नाइट्रोजन	21%
आक्सीजन	78%

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम- शबनम तौक़ीर(लखनऊ)शीलासिंह(ग़ाजीपुर)

कम्प्यूटर हार्डवेयर --
की-बोर्ड – यह एक इनपुट डिवाइस है। इसके द्वारा प्रोग्राम एवं डाटा को कम्प्यूटर में एंटर किया जाता है। कम्प्यूटर का की-बोर्ड टाइप राइटर के की-बोर्ड से लगभग मिलता-जुलता है। इसमें सामान्यत: 104 या उससे ज्यादा बटन होते हैं।
माउस – माउस एक प्वाइंटिंग डिवाइस है जिसके द्वारा बिना की-बोर्ड का प्रयोग किये कम्प्यूटर का नियंत्रण कर सकते हैं इसे एक हाथ से पकड़ा जाता है और एक फ्लैट सतह पर चलाया जाता है। माउस का प्रयोग स्केचेज, डायग्राम्स आदि ड्रा करने में तथा निर्देश देने के लिए किया जाता है।
माउस दो प्रकार का होता है।
1-मैकेनिकल 2. ऑप्टिकल माउस।
इसमें दो बटन होती है लेफ्ट एवं राइट बटन तीसरी बटन स्क्रॉल बटन भी किसी-किसी माउस में होती है। जब माउस को समतल सतह पर इधर-उधर सरकाते हैं। तो मॉनीटर की स्क्रीन पर तीर (↑) का निशान निर्देशानुसार सरकता है।
स्पीकर – कम्प्यूटर से गाना सुनने तथा पिक्चर देखने पर जो आवाज आती है वह स्पीकर के माध्यम से ही हम तक पहुँचती है।
मॉनीटर – कम्प्यूटर से प्राप्त निष्कर्ष देखने के लिए मॉनीटर का प्रयोग किया जाता है। इसकी संरचना टेलीविजन की तरह होती है। सामान्यत: मॉनीटर दो प्रकार के होते हैं – सी.आर.टी. एवं टी. एफ. टी.।

गृहकार्य
सही जोड़े बनाओ -

क) कीबोर्ड क) स्क्रॉल बटन
ख) माउस। ख) गाना सुनना
ग) मॉनिटर। ग) 104 बटन
घ) स्पीकर। घ) सी. आर. टी.

उत्तरमाला (क्रमांक 5)
क) ×
ख) ✓
ग) ✓
घ) ✓

विषय-हिन्दी व्याकरण पाठ- कक्षा -6, 7, 8

प्रकरण- उपसर्ग क्रमांक 10

मिशन शिक्षण संवाद

शब्द रचना (Formation of Words)

उपसर्ग (Prefixes)

उपसर्ग दो शब्दों से मिलकर बना है-'उप' तथा 'सर्ग'।
उप का अर्थ पास या समीप तथा सर्ग का अर्थ है रचना या निर्माण।
जो शब्दाशं किसी शब्द से पहले जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन ला देते हैं या उसके अर्थ में विशेषता ला देते हैं, उन्हें उपसर्ग कहते हैं।

जैसे-

नि+डर=निडर।
वि+ देश= विदेश,
अ+ज्ञान=अज्ञान
प्र+हार=प्रहार।

उपर्युक्त शब्दों में 'नि' 'वि', 'अ', 'प्र' सभी उपसर्ग. हैं।

उपसर्ग की प्रमुख विशेषताएँ---

1- उपसर्ग का अपना कोई अर्थ नहीं होता,इसलिए इन्हें स्वतंत्र रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता है।
2- ये अन्य शब्दों के पूर्व में जुडकर उनका अर्थ बदल देते.हैं।

उपसर्ग के भेद--

1- संस्कृत के उपसर्ग 2- हिन्दी के उपसर्ग 3- अरबी,फारसी और उर्दू के उपसर्ग 4- अंग्रेजी के उपसर्ग 5- उपसर्ग के समान प्रयुक्त होने वाले संस्कृत के अव्यय।

Praveena dixit Kgbv Kasganj

9458278429

निर्माण कार्य करने वाले शिक्षक का नाम-